ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आदित्य धर के साथ काम करना चाहती.. 11

वर्ष - 01, अंक - 349 | गाजियाबाद / सोमवार 23 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

इजराइल के अराद और डिमोना शहरों पर ईरान का बड़ा मिसाइल हमला, 180 घायल

- घायलों में 11 लोगों की हालत गंभीर
- निशाने पर रहा शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल के दक्षिणी शहरों में न्यूक्लियर सिटी डिमोना के साथ अराद पर ईरान ने बड़ा मिसाइल अटैक किया। दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद में ईरानी हमलों में 180 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में से 11 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इजराइली मीडिया के अनुसार, ईरान की ओर से किए गए ताबड़तोड़ हमले में इजराइली एयर डिफेंस दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहा, जिसकी अब उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। हमलों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजराईल डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इजरायल के दुश्मनों से सभी मोर्चों पर लड़ते रहने का वादा किया।

टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, डिमोना इलाके में ईरान ने कई हमले किए। वहीं ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा कि ये हमले इजराइल की न्यूक्लियर रिसर्च फैसिलिटी को टारगेट कर रहे थे, जो डिमोना से लगभग 10 किलोमीटर (छह मील) और अराद से 30 किलोमीटर (18.5 मील) दूर है। अमेरिका और इजराइल शुरू से ही ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए हमले कर रहे हैं। ऐसे में इजराइल के परमाणु केन्द्रों पर ताजा मिसाइल हमले को ईरान की तरफ से बदले के रूप में देखा जा रहा है। शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर को इजराइल के लंबे समय से संदेह वाले परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए अहम् माना जाता है। डिमोना में हुए हमले के कुछ घंटों बाद, पास के अराद में भी तबाही का ऐसा ही मंजर देखने को मिला। अराद में एक बैलिस्टिक मिसाइल के टकराने से कई इमारतों को नुकसान हुआ।

> “गौरतलब है कि डिमोना और अराद शहर नेगेव रेगिस्तान में स्थित हैं और इजराइल के संवेदनशील ढांचे का हिस्सा हैं। डिमोना को विश्व स्तर पर इजराइल के संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम के केंद्र के रूप में जाना जाता है। अराद शहर कई प्रमुख इजराईली रक्षा बलों के ठिकानों के पास स्थित है और परमाणु संयंत्र में काम करने वाले कर्मियों का आवासीय केंद्र भी है।

होर्मुज स्ट्रेट न खोला तो ईरान के पावर प्लांट्स को खत्म कर देंगे : ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान 48 घंटों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से नहीं खोलता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानी पावर प्लांट्स को निशाना बनाएगा। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने यह बात कही। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान न माना तो संयुक्त राज्य अमेरिका उनके विभिन्न पावर प्लांट्स पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देगा, जिसकी शुरूआत सबसे बड़े संयंत्र से होगी।

ट्रेन से टकराई बस, 12 लोगों की मौत, 20 घायल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में रविवार सुबह 2:45 बजे कोमिला में पडुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर एक मेल ट्रेन और बस की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। कोमिला सदर साउथ पुलिस स्टेशन के तहत ईपीजेड चौकी के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) सैफुल इस्लाम ने बताया कि मरने वालों में सात पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। पुलिस और स्थानीय गवाहों के अनुसार, ट्रेन बस को जंगल्या-कचुआ क्षेत्र में लगभग आधा किलोमीटर उत्तर तक घसीटती हुई ले गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के वक्त क्रॉसिंग पर कोई गेटमैन मौजूद नहीं था। पुलिस, हाईवे पुलिस और फायर सर्विस के लोगों ने घायल यात्रियों को बचाया और उन्हें हॉस्पिटल ले गए। बांग्लादेश रेलवे ने घटना की जांच के लिए दो जांच कमेटियां बनाई हैं, एक डिविजनल और एक रीजनल। इस बीच, पडुआर बाजार क्रॉसिंग के दो गेटमैन, मेहदी हसन और हेलाल उद्दीन को कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिया गया।

गगनदीप रंधावा आत्महत्या मामलाः पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब राज्य भंडारण निगम के डीएम गगनदीप सिंह रंधावा के आत्महत्या के मामले में पूर्व कैबिनेट मंत्री लाल सिंह भुल्लर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस कमिश्नरेट के रणजीत एवेन्यू थाने में गगनदीप सिंह की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी। उपिंदर कौर ने पूर्व मंत्री व उनके पिता को भी आरोपी बनाया है और कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस कमिश्नर अमृतसर को दी लिखित शिकायत में उपिंदर कौर ने मंत्री और उनके पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

दिल्ली के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों का होगा एकीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि राजधानी के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के एकीकरण से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा को भी बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार श्री गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) को एकीकृत कर एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान विकसित करने जा रही है।

तमिलनाडु में वेलमुरुगन ने डीएमके से नाता तोड़ा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी पार्टी तमिलगा वझ्वुरिमाई काची ने सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) से अपना समर्थन वापस लेने का फैसला किया है। पार्टी के संस्थापक टी. वेलमुरुगन ने रविवार को यह जानकारी दी।

विस चुनावः पश्चिम बंगाल में केन्द्रीय बलों की 2,400 कंपनियां तैनात होंगी

कोलकाता (एजेंसी)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 2,400 कंपनियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, तैनाती पहले ही शुरू हो चुकी है और केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां इस महीने की शुरुआत में राज्य में पहुंच चुकी हैं। शेष 1,920 कंपनियों को आने वाले हफ्तों में चरणबद्ध तरीके से भेजा जाएगा।

24.5 किलो हेरोइन ड्रोन बरामद, गिरफ्तार

- 21 लाख रुपए ड्रग मनी भी बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त ऑपरेशन में पाकिस्तान समर्थित सीमा पार से चल रहे तस्करी मॉड्यूल के तीन मास्टरमाइंडों को 24.5 किलो हेरोइन और 21 लाख रुपये की ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को यहां साझा की।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव नूरवाल निवासी जगजीत सिंह उर्फ राणा, अमृतसर के गांव औलख खुर्द निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत और अमृतसर के गांव धूपसड़ी निवासी रोशन सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के अलावा बीएसएफ और पुलिस टीमों ने एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन भी जब्त किया है, जिसका उपयोग पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा सीमा पार से खेप पहुंचाने के लिए किया जाता था। इसके अलावा एक एसयूवी महेन्द्रा थार सहित दो कारें भी जब्त की गई हैं, जिनका इस्तेमाल नशीले पदार्थों की सप्लाई के लिए किया जाता था।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों के पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के साथ सीधे संबंध थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए एएनटीएफ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गुरप्रीत सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई दो चरणों में की गई थी। पहले चरण में एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन के साथ 12.1 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। इसके बाद ड्रोन के तकनीकी डेटा, अक्षांश-देशांतर (लैटिट्यूड-लॉन्गिट्यूड) और टावर डंप के विस्तृत अध्ययन सहित फोरेंसिक विश्लेषण के बाद मनप्रीत सिंह के घर से 12.4 किलोग्राम हेरोइन की एक और खेप बरामद की गई, जिससे कुल बरामदगी 24.5 किलोग्राम हो गई। एसपी ने बताया कि आरोपी जगजीत राणा ने हाल ही में ड्रग मनी से महंगे और पॉश इलाकों में संपत्तियां खरीदी थीं और वह कारों का शौकीन था। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। इस संबंध में एसएएस नगर में मामला दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड में 5 नए मंत्रियों को मिले विभाग, उनियाल बने खास

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्रित्व वाली सरकार में शुक्रवार को पांच नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण करने के बाद मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) का पूर्ण गठन हुआ। अब रविवार को मुख्य सचिव ने आवश्यक विमर्श पूर्ण कर, नए मंत्रियों के विभागों का वितरण कर दिया। इसमें कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से ग्राम्य विकास, डॉ. धनसिंह रावत से चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा और आयुष, सतपाल महाराज से पंचायतीराज, जलागम तथा सुबोध उनियाल से भाषा विभाग वापस ले लिया गया। जबकि अन्य विभाग मुख्यमंत्री से लेकर नए कैबिनेट सदस्यों को दिए गए हैं। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन द्वारा जारी कैबिनेट के नए पोर्टफोलियो के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पास अब मंत्रिपरिषद, कार्मिक एवं सर्तकता, सचिवालय प्रशासन, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, सूचना, गृह, राजस्व, औद्योगिक विकास, औद्योगिक विकास (खनन), श्रम, पेयजल, ऊर्जा, आबकारी, न्याय, नागरिक उड्डयन, वित्त, एवं आवास विभाग होंगे। जबकि सतपाल महाराज लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण निर्माण, संस्कृति, धर्मस्व, पर्यटन, सिंचाई एवं लघु सिंचाई, सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्री होंगे। गणेश जोशी पर कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण विभाग रहेंगे। जबकि डा. धन सिंह रावत शिक्षा (माध्यमिक), विद्यालयी शिक्षा (बेसिक), विद्यालयी संस्कृत शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और सहकारिता विभाग के मंत्री होंगे। सुबोध उनियाल अब वन, निर्वाचन, विधायी एवं संसदीय कार्य के साथ ही चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का भी दायित्व संभालेंगे। रेखा आर्य महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, खेल एवं युवा कल्याण पहले की ही तरह देखती रहेंगी। सौरभ बहुगुणा भी पूर्ववत पशुपालन, दुग्ध विकास, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, प्रोटोकॉल, कौशल विकास एवं सेवायोजन के मंत्री रहेंगे। नव नियुक्त मंत्री खजान दास समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, छात्र कल्याण और भाषा जबकि भरत सिंह चौधरी ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम का दायित्व संभालेंगे। मदन कौशिक आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, पंचायतीराज, आयुष एवं आयुष शिक्षा, पुनर्गठन एवं जनगणना की जिम्मेदारी उठाएंगे। जबकि प्रदीप बत्रा परिवहन, सूचना सुराज एवं प्रौद्योगिकी, विज्ञान प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और राम सिंह कैड़ा शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण एव जलवायु परिवर्तन, प्रबन्धन, जलागम विभागों के मंत्री होंगे।

के.सी. त्यागी ने थामा रालोद का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने पार्टी से नाता तोड़ दिया था। अब उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का दामन थामा है। नई दिल्ली में पूर्व जदयू नेता के.सी. त्यागी रविवार को केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की पार्टी रालोद में शामिल हो गए। जयंत चौधरी की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

‘एसबीआई योनो’ ऐप के नाम पर फर्जी मैसेज वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसबीआई योनो ऐप के नाम पर सोशल मीडिया पर फर्जी मैसेज वायरल हो रहा है, जिसमें एपीके फाइल डाउनलोड कर आधार अपटेड करने की बात कही गई है। पीआईबी फैक्ट चैक ने यह जानकारी दी गई। फर्जी मैसेज में यूजर्स को कहा गया है कि अपना आधार अपडेट करने के लिए मैसेज के साथ आई एक एपीके फाइल डाउनलोड और इंस्टॉल करनी होगी। साथ ही कहा गया कि यदि आधार अपडेट नहीं किया जाता है, तो एसबीआई योनो ऐप ब्लॉक हो जाएगा। पीआईबी फैक्ट चैक ने बताया कि यह दावा पूरी तरह से फर्जी है।

पीएम मोदी ने बनाया सबसे लंबे कार्यकाल का कीर्तिमान

8931 दिन का सार्वजनिक जीवन, मुख्यमंत्रियों ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा देने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनके 8931 दिनों के सार्वजनिक जीवन को लेकर देशभर से बधाई संदेशों का सिलसिला जारी है।

इस अवसर पर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व, कार्यशैली और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ‘एक्स’ पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनकी कर्तव्यनिष्ठा और जन-आकांक्षाओं के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ह्रराष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत अंत्योदय से सर्वोदय की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री का दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ‘विकसित भारत 2047’ के संकल्प को साकार करने में उत्तराखंड भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक की यात्रा में मोदी ने सुशासन और विकास का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। उनके कार्यकाल में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश ने आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति और जनकल्याणकारी योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है।

धामी सरकार के ‘चार साल बेमिसाल’ कार्यक्रम आज

परेड ग्राउंड पर, सुरक्षा और ट्रैफिक के कड़े इंतजाम

देहरादून (एजेंसी)। परेड ग्राउंड पर 23 मार्च सोमवार को आयोजित होने वाले धामी सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों और गणमान्य अतिथियों के आगमन की संभावना को देखते हुए एक ओर जहां सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है, वहीं विस्तृत ट्रैफिक डायवर्जन प्लान भी लागू किया गया है। रविवार को जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं और कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए।

गैस संकट के बीच मिली राहत

अमेरिका से एलपीजी लेकर कार्गो जहाज न्यू मैंगलोर पोर्ट पहुंचा

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश में संभावित गैस आपूर्ति संकट के बीच अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक मालवाहक जहाज़ रविवार सुबह न्यू मैंगलोर बंदरगाह पर पहुंचा। बंदरगाह प्राधिकरण के अनुसार, सिंगापुर ध्वज वाला टैंकर ‘पाइक्सिस पायनियर’ सुबह करीब छह बजे बर्थ नंबर-13 पर लगा। यह 47,236 टन ग्रॉस टनेज वाला जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था। जहाज में एजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के लिए 16,714 टन एलपीजी लदी हुई है और इसके सोमवार तड़के तक गैस की खेप उतारने के बाद जहाज रवाना होगा। यह खेप ऐसे समय में पहुंची है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत में आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है। बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार ने राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन 20 प्रतिशत बढ़ाकर प्राथमिक क्षेत्रों के लिए कुल आवंटन 50 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले ‘एक्वा टाइटन’ नामक जहाज, जो रूस का कच्चा तेल लेकर आया था, मैंगलोर तट पर पहुंचा था, लेकिन आकार और अधिक कार्गो के कारण उसे तट से लगभग 18 समुद्री मील दूर लंगर डालना पड़ा था। ताजा एलपीजी आपूर्ति से अल्पावधि में राहत मिलने और प्रमुख क्षेत्रों में वितरण को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

परिजनों ने केंद्र से लगाई मदद की गुहार

‘अजरबैजान सीमा पर फंसे जम्मू-कश्मीर के छात्रों को सुरक्षित लाए सरकार’

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के 200 से अधिक छात्र अजरबैजान सीमा पर फंसे हुए हैं, जिसके चलते उनके परिजन बेहद चिंतित हैं और केन्द्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि उनके बच्चे गंभीर आर्थिक और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाने के लिए सरकार को जल्द कदम उठाने चाहिए। परिजनों के मुताबिक, ये छात्र ईरान के इस्फहान और गोलिस्तान प्रांतों में पढ़ाई कर रहे थे। वर्तमान हालात के बीच ये छात्र अपने देश लौटने की कोशिश में ईरान-आर्मेनिया सीमा पार कर चुके हैं, जो वापसी की दिशा में पहला अहम कदम था।

हालांकि, परिजनों का आरोप है कि छात्रों को अपनी यात्रा का पूरा इंतजाम खुद ही करना पड़ रहा है, जिससे पहले से परेशान परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। एक अभिभावक ने कहा कि हम सारे खर्च खुद उठा रहे हैं। ऐसे समय में सरकार को कम से कम उनके लौटने की व्यवस्था करनी चाहिए। जानकारी के अनुसार, 20 मार्च से 25 मार्च के बीच कई बैच में छात्रों की वापसी की उम्मीद थी, जिनमें शिराज यूनिवर्सिटी के छात्र भी शामिल हैं। वहीं, केर्मन से भारतीय इंजीनियरिंग छात्र भी ईरान-आर्मेनिया सीमा तक पहुंच चुके हैं और वीजा क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे हैं। सबसे गंभीर स्थिति अजरबैजान सीमा पर बनी हुई है, जहां 100 से अधिक भारतीय छात्र प्रक्रिया में देरी के कारण फंसे हुए हैं। परिजनों के अनुसार रोजाना केवल 6 से 10 छात्रों को ही एग्जिट कोड मिल रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया बेहद धीमी हो गई है।

कई छात्र 12 मार्च से ही सीमा पर फंसे हैं, जिसके कारण उनकी फ्लाइट्स छूट गईं और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पिछले 24 घंटों में 151 भारतीय छात्र ईरान-अजरबैजान सीमा पार करने में सफल रहे हैं। 14, 18, 19 और 20 मार्च की फ्लाइट बुकिंग वाले कुछ छात्रों को जाने की अनुमति मिल गई है, लेकिन 15, 16 और 17 मार्च की बुकिंग वाले छात्र अब भी फंसे हुए हैं।

नस्लवाद को मिटाने के लिए दुनिया आए एक साथः यूएन महासचिव

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दुनिया भर में बढ़ते नस्लवाद को लेकर चिंता जताई है और इसे खत्म करने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नस्लवाद एक पुरानी बुराई है, जो आज भी हर समाज, हर देश और हर क्षेत्र में मौजूद है। 21 मार्च को हर साल मनाए जाने वाले ‘अंतरराष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दिवस’ के मौके पर अपने संदेश में गुटेरेस ने कहा कि नस्लवाद की जड़ें उपनिवेशवाद, गुलामी और दमन के इतिहास में हैं। यही कारण है कि आज भी दुनिया में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक असमानता, भेदभावपूर्ण नीतियां और कई संघर्ष देखने को मिलते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आज के समय में डिजिटल तकनीक और ऑनलाइन माध्यमों के जरिए भी नफरत तेजी से फैल रही है। सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म पर नफरत भरी भाषा, झूठी बातें और गलत धारणाएं फैलती हैं, जो कई बार वास्तविक हिंसा और दुर्व्यवहार का रूप ले लेती हैं। गुटेरेस ने कहा कि इसका सबसे बड़ा समाधान एकता और ठोस कार्रवाई है। उन्होंने सभी सरकारों, संस्थाओं, कंपनियों और समाज के लोगों से मिलकर काम करने की अपील की, ताकि हर व्यक्ति को सम्मान, न्याय, समानता और मानवाधिकार मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सभी देशों को नस्लीय भेदभाव खत्म करने से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौतों को पूरी तरह लागू करना चाहिए। गुटेरेस ने अंत में कहा कि हमें हर दिन नस्लवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा। हमें दुनिया के हर व्यक्ति के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करनी है और इस बुराई को जड़ से खत्म करना है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साल 1966 में इस दिवस की शुरूआत की थी, ताकि नस्लीय भेदभाव के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई जा सके और पूरी दुनिया में इसके खिलाफ कार्रवाई को प्रोत्साहित किया जा सके।

दिल्ली के अस्पतालों का होगा एकीकरण, बढ़ेंगी पीजी और एबीबीएस की सीटें : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के एकीकरण से न केवल चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा बल्कि चिकित्सा शिक्षा को भी लाभ मिलेगा। इसके साथ ही एमबीबीएस तथा पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

दिल्ली सरकार गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) को एकीकृत कर एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान विकसित करने जा रही है। साथ ही, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर ऐंड एलाइड साइंसेज (इहबास) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान-2 के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री का कहना है कि इस परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में बड़े स्तर पर वृद्धि करना है ताकि अधिक से अधिक डॉक्टरों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को मजबूत किया जा सके। इसके तहत राजीव गांधी अस्पताल, दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और जीटीबी अस्पताल में चल रहे समान विषयों और विभागों को एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान में कई विभाग अलग-अलग संस्थानों में संचालित हो रहे हैं, जिसके कारण उपलब्ध संसाधनों और मानव बल का पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। इंटीग्रेशन के बाद इन सभी विभागों के फैकल्टी (एसिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर) को एक साथ जोड़कर उनकी क्षमता के अनुरूप पीजी सीटों में वृद्धि की जाएगी। मेडिकल नियमों के अनुसार, एक एसोसिएट प्रोफेसर दो पीजी सीट और एक प्रोफेसर तीन पीजी सीट सपोर्ट कर सकता है इसलिए फैकल्टी को एकीकृत करने से सीटों में स्वतः वृद्धि होगी।

विभाग के अनुसार रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और एनेस्थीसिया जैसे विषयों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना है। रेडियोलॉजी में जहां पहले सीटों की संख्या सीमित या शून्य थी, वहीं एकीकरण के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 22 तक पहुंच सकती है। वहीं पैथोलॉजी में सीटों की संख्या करीब 26 तक और एनेस्थीसिया में लगभग 48 तक बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल विभागों को जोड़ने से ही नहीं बल्कि खाली पड़े पदों को भरने से भी संभव होगी क्योंकि अभी कई अस्पतालों में फैकल्टी की नियुक्ति पूरी नहीं है।

इसके अतिरिक्त, कुछ विशेष विभाग ऐसे भी हैं जहां वर्तमान में पीजी सीटें उपलब्ध नहीं हैं, जैसे दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और राजीव गांधी अस्पताल के कुछ विशिष्ट विभाग। एकीकरण के बाद इन विभागों में नए डॉक्टरों की नियुक्ति कर पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे। दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, कैंसर रिसर्च और आईसीयू जैसे विभागों में लगभग 26 नई पीजी सीटें जोड़ी जा सकती हैं। वहीं राजीव गांधी अस्पताल में हृदय रोग और हृदय शल्य चिकित्सा (कार्डियक सर्जरी) जैसे विभागों में भी लगभग 14 नई सीटों की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिस्तरों की संख्या, मरीजों की संख्या और फैकल्टी बढ़ने से भविष्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। इसके लिए हॉस्टल, आधुनिक प्रयोगशालाओं, लेक्चर थिएटर और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के विकास की योजना बनाई जाएगी ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना ही नहीं है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा का विस्तार और रिसर्च को बढ़ावा देना भी है।

उपराज्यपाल संधू और मंत्री सिरसा ने हरमीत सिंह कालका की माता के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका के माताजी सरदारनी प्रीत मोहनी कौर जी का आकिस्मक निधन कल शनिवार को हो गया था उनका अन्तिम संस्कार आज लोधी रोड शमशान घाट पूरे सम्मान के साथ किया गया। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह सन्धू, दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिन्दर सिंह सिरसा, पूर्व मुख्यमंत्री आतिषी, राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी, कालका जी से पार्षद योगिता, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी महासचिव जगदीप सिंह काहलो एवं कमेटी के सदस्यगण सहित अनेक धार्मिक एवं राजनीतिक शख्सीयतनों ने पहुंचकर माता जी को अन्तिम विदायगी दी। उनके अंगीठा संभाल की रस्म कल सुबह 8.00 बजे लोधी रोड शमशान घाट पर की जाएगी। सरदारनी प्रीत मोहनी कौर जी की अन्तिम अरदास दिनांक 26 मार्च दिन बृहस्पतिवार को दोपहर 12 से 1.30 बजे तक लख्खीशाह बंजारा हाल गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में होगी।

एलपीजी सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी का पर्दाफाश, पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच एलपीजी की कमी से अवैध जमाखोरी के मामले में सामने आ रहे हैं। अब दक्षिण पश्चिमी जिला पुलिस की टीम ने एलपीजी सिलिंडर की कालाबाजारी में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके महिपालपुर स्थित गोदाम से 74 एलपीजी सिलेंडर (70 घरेलू और चार कमर्शियल) बरामद किए गए हैं। इसके अलावा एक छोटा मालवाहक वाहन, तौलने की मशीनें और गैस ट्रांसफर करने का सामान भी पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 21 मार्च को महिपालपुर में एलपीजी सिलिंडरों की अवैध जमाखोरी के बारे में एक गुप्त जानकारी मिली थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने गोदाम पर छापा मारा और तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान कृष्णा, दिनेश साहू और मिथिलेश के रूप में हुई। गोदाम की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में एलपीजी सिलिंडरों के साथ-साथ तौलने की मशीनें और दूसरा सामान भी बरामद किया गया। आरोपित इन एलपीजी सिलिंडरों को जमा करने या उनका व्यापार करने के लिए कोई भी वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र नहीं दिखा पाए। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे अधिक मुनाफा कमाने के लिए स्थानीय लोगों को बिना बिल या अनुमति के एलपीजी सिलिंडरों की अवैध बिक्री करते थे। वे सामान लाने-ले जाने के लिए एक टाटा ऐस गोल्ड गाड़ी का इस्तेमाल करते थे और गैर-कानूनी तरीके से सामान जमा करने के लिए एक जगह किराए पर ली थी। तीनों आरोपित पिछले 20-25 वर्षों से दिल्ली में रह रहे हैं और पिछले तीन वर्षों से महिपालपुर इलाके में गैर-कानूनी तरीकों से एलपीजी पाइपलाइनों के काम में शामिल थे।

दिल्ली हाई कोर्ट सख्त : इलाज से वंचित नाबालिग को मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकारी अस्पतालों की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए एक नाबालिग को समय पर इलाज न मिलने के मामले में दिल्ली सरकार को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने आदेश देते हुए पीड़ित के चिकित्सा खर्च के रूप में 12,000 रुपये की प्रतिपूर्ति दो महीने के भीतर करने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकारी अस्पतालों द्वारा समय पर उपचार उपलब्ध न कराना राज्य की जिम्मेदारी को तय करता है और ऐसी स्थिति में मुआवजा देना अनिवार्य हो जाता है। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार प्रत्येक नागरिक को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने की गारंटी देता है, और उपचार से इनकार करना इस मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। मामले में अदालत ने पाया कि याची छात्र स्कूल में खेलते समय गिर गया था, जिससे उसका बायां हाथ टूट गया। उसे इलाज के लिए डा. हेडगेवार आरोग्य संस्थान ले जाया गया, जहां बुनियादी सुविधाओं की कमी, विशेष रूप से रुई उपलब्ध न होने के कारण उपचार नहीं किया गया और दूसरे अस्पताल जाने की सलाह दी गई। इसके बाद बच्चे को चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण उसे फिर इलाज नहीं मिल सका। अंततः परिजनों को मजबूर होकर निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ा, जिसमें लगभग 14,000 रुपये खर्च हुए। सुनवाई के दौरान सरकारी अस्पतालों की ओर से दलील दी गई कि चोट गंभीर नहीं थी और उसका उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी संभव था, हालांकि अदालत ने इस तर्क को पर्याप्त नहीं माना और सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

लोक अदालत में 1.5 लाख से अधिक मामले का निपटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) की ओर से रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसका आयोजन सभी जिला अदालतों, दिल्ली उच्च न्यायालय, उपभोक्ता आयोगों और ऋण वसूली अधिकरणों में किया गया। इसमें चेक बाउंस, श्रम विवाद, मोटर दुर्घटना दावा और ट्रैफिक चालान जैसे विभिन्न श्रेणी के डेढ़ लाख से अधिक मामलों का आपसी समझौते व कम हर्जाना भरकर निपटारा किया गया। अदालतों में भीड़ प्रबंधन के लिए सहायता केंद्र, व्हीलचेयर, रैंप और पेयजल जैसी तमाम सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। आयोजन की खास बात यह रही कि ट्रांसजेंडर, एसिड अटैक पीड़ितों और वरिष्ठ नागरिकों को एसोसिएट सदस्य के रूप में लोक अदालत की कार्यवाही का हिस्सा बनाया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं डीएसएलएसए के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव ने साकेत जिला अदालत का दौरा कर इन सदस्यों को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। डीएसएलएसए के सदस्य सचिव राजीव बंसल ने बताया कि प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के माध्यम से न्याय की गुणवत्ता में सुधार करना और ट्रैफिक चालानों जैसे लंबित मामलों के बोझ को कम करना है।

ब्रह्मपुरी में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रह्मपुरी वार्ड में भारतीय जनता पार्टी (महिला मोर्चा) की जिला उपाध्यक्ष डॉ. दीपमाला सिंह के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में घोंडा विधानसभा से विधायक अजय महावर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला अध्यक्ष डॉ. यू.के. चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर अतिथियों ने दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए और डॉ. दीपमाला सिंह के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. दीपमाला सिंह लगातार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रही हैं, जो सेवा और समर्पण की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। शिविर के माध्यम से लाभार्थियों को मॉडर्न व्हीलचेयर, बैटरी चालित ई-रिक्शा, इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, हियरिंग एड, बैसाखी, ट्राइपॉड, कॉलर नेक, कमर बेल्ट, घुटने की पट्टी, जॉयस्टिक सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इन उपकरणों से दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में कैप्टन वेद पाल सिंह, नाथू सिंह नंबरदार, सूरज प्रकाश, उर्मिल नौटियाल, राम नरेश पराशर (सांसद प्रतिनिधि), जितेंद्र भदौरिया (पूर्व ब्रह्मपुरी मंडल अध्यक्ष), विपिन शर्मा, ब्रजमोहन शर्मा, राहुल पराशर और राहुल तिवारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा बजट सत्र: सदन में आज आर्थिक सर्वेक्षण और 24 को पेश होगा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में आगामी बजट सत्र को लेकर दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार 23 मार्च 2026 से शुरू होने जा रहा है। यह सत्र 23 से 25 मार्च 2026 तक आयोजित होगा। जिसे लेकर शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की तैयारियों का व्यापक जायजा लिया था। साथ ही अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

सार्थक चर्चा का उदाहरण बने सत्र

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह सत्र संसदीय परंपराओं की गरिमा और सार्थक चर्चा का उदाहरण बनना चाहिए। साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने आगामी बजट सत्र की तैयारियों और दिल्ली के विकास से जुड़े विभिन्न विधायी विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

सीएम रेखा ने विजेंद्र गुप्ता से की मुलाकात

सीएम रेखा ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने लिखा, ÷दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर आगामी बजट सत्र की तैयारियों तथा दिल्ली के विकास से जुड़े विभिन्न विधायी विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। हमारी सरकार दिल्ली की प्रगति और जन-आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट प्रस्तुत करने के लिए पूर्णतः समर्पित है।÷ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में इस सत्र के कार्यक्रम का निर्णय लिया गया है।

आर्थिक सर्वेक्षण पेश 23 मार्च को

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, सत्र के पहले दिन 23 मार्च को सदन में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। यह रिपोर्ट पिछले एक वर्ष के दौरान राजधानी की आर्थिक स्थिति, राजस्व प्राप्ति, व्यय, विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों और प्रमुख योजनाओं की प्रगति का विस्तृत विवरण प्रदान करेगी।

वार्षिक बजट 24 को

24 मार्च को दिल्ली सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना वार्षिक बजट प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पास वित्त विभाग होने के कारण वे स्वयं बजट पेश करेंगी। इस बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, स्वच्छता और शहरी सुविधाओं से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने की संभावना है। इसके अलावा, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण संबंधी नई घोषणाओं की भी उम्मीद जताई जा रही है।

25 मार्च को बजट पर चर्चा

सत्र के तीसरे दिन 25 मार्च को बजट पर चर्चा होगी, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अपने विचार रखेंगे। चर्चा के पश्चात सरकार अपनी प्रतिक्रिया देगी और आवश्यक प्रक्रियाओं के साथ बजट को पारित कराया जाएगा। वहीं, चर्चा के बाद सरकार की ओर से जवाब दिया जाएगा और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करके बजट पास किया जाएगा। बजट सत्र को लेकर राजनीतिक हलकों में भी काफी सक्रियता देखी जा रही है। माना जा रहा है कि आगामी बजट के माध्यम से रेखा गुप्ता सरकार राजधानी के विकास और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई नई योजनाओं और पहलों की घोषणा कर सकती है।

मां कूष्मांडा की पूजा के लिए मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना के लिए राजधानी के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही कालकाजी मंदिर, झंडेवालान मंदिर और छतरपुर मंदिर समेत प्रमुख मंदिरों में भक्त लंबी कतारों में खड़े नजर आए। मंदिर परिसर जयकारों और भक्ति गीतों से गूंजते रहे। मान्यता है कि मां कूष्मांडा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं, इसलिए इस दिन विशेष श्रद्धा देखी जाती है। झंडेवालान मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूरे परिसर में करीब 290 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी कंट्रोल रूम से की जा रही है। भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर की ओर से कई व्यवस्थाएं की गई हैं। विभिन्न जिलों से आई सेवा बस्तियों की कन्याओं के लिए दर्शन, भंडारे और प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मंदिर के आधिकारिक यूट्यूब चैनल, फेसबुक, वेबसाइट और मोबाइल एप के माध्यम से सुबह 4 बजे से रात 12 बजे तक सभी धार्मिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण भी किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क चाय और शर्बत की व्यवस्था के साथ डेयरी उत्पादों के स्टॉल भी लगाए गए हैं।

दिल्ली विधानसभा में आज निंदा प्रस्ताव लाएगी भाजपा, ओम बिरला के समर्थन में कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन भाजपा की ओर से एक महत्वपूर्ण निंदा प्रस्ताव पेश किया जाएगा। यह प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी दलों द्वारा लाए गए निष्कासन प्रस्ताव के विरोध में लाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, विधायक शिखा राय इस निंदा प्रस्ताव को सदन में प्रस्तुत करेंगी। प्रस्ताव का उद्देश्य संसदीय परंपराओं, अध्यक्ष पद की गरिमा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करना है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अध्यक्ष का पद दलीय राजनीति से ऊपर होता है और इसे राजनीतिक विवाद का विषय बनाना संसदीय मूल्यों के खिलाफ है। इस मुद्दे पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता पहले ही लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी चिंता जता चुके हैं। उन्होंने कहा था कि संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर इस प्रकार का प्रस्ताव लाना दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि अध्यक्ष का पद सदन की गरिमा, नियमों और परंपराओं का संरक्षक होता है। विजेंद्र गुप्ता ने यह भी उल्लेख किया कि लोकसभा में निष्कासन प्रस्ताव का ध्वनि मत से खारिज होना पीठासीन अधिकारी के प्रति सदन के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष का पद भारत की संसदीय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो निष्पक्षता, संतुलन और संस्थागत अखंडता के साथ कार्य करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि संवैधानिक पदों को राजनीतिक विवादों में घसीटना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना को कमजोर कर सकता है। साथ ही, उन्होंने उन सांसदों की सराहना की जिन्होंने इस प्रस्ताव का विरोध कर संसदीय परंपराओं की गरिमा बनाए रखी।

खाड़ी तनाव से बढ़ते ऊर्जा संकट पर सरकार को सतर्क रहने की जरूरत : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाड़ी क्षेत्र में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी तनाव के कारण उत्पन्न हो रहे ऊर्जा संकट को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर सवाल उठा रही है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सरकार की निष्क्रियता और विदेश नीति को निशाने पर लेते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में सरकार हालात को संभालने में विफल रही है। उनका आरोप है कि केंद्र की अमेरिका-परस्त विदेश नीति के चलते ईरान और अन्य खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंध कमजोर हुए हैं, जिसका असर अब ऊर्जा आपूर्ति पर दिख रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से एलपीजी आपूर्ति में कमी आई है, जिससे घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत ?853 से बढ़कर ?913 हो गई है। इसके अलावा कमर्शियल सिलेंडर के दाम में ?115 की वृद्धि ने होटल व्यवसाय और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाला है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से घरों और छोटे व्यवसायों की रसोई पर सीधा असर पड़ रहा है। करावल नगर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने भी बढ़ती महंगाई और संभावित संकट को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि होकर 70-73 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 108-110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचना भविष्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का संकेत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पहले ही औद्योगिक डीजल के दाम में ?22 की बढ़ोतरी कर संकेत दे चुकी है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि सरकार भले ही गैस की कमी से इनकार कर रही हो, लेकिन कमर्शियल और घरेलू सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी और बुकिंग अंतराल को 25 दिन करना संभावित कमी की ओर इशारा करता है।

जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों पर राजनीति कर रही है 'आपा' : सत्या शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी अनावश्यक राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज इस विषय को बिना कारण राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पार्किंग क्षेत्र में संदिग्ध एवं अवैध गतिविधियों का खुलासा करना पूरी तरह से जनता की सुरक्षा, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा विषय है, न कि राजनीति का।

सत्या शर्मा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दिल्ली के हित में यह मुद्दा उठाया, लेकिन आआपा इसे भटकाने और राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पार्टी हर गंभीर विषय को भी राजनीतिक चश्मे से देखने की आदी हो चुकी है। उन्होंने सौरभ भारद्वाज को सलाह दी कि वे हर मुद्दे पर बयानबाजी करने के बजाय दिल्ली की जनता के हित में सकारात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी है और अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाना उसका दायित्व है। चांदनी चौक क्षेत्र में किए गए निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताओं और संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा हुआ है, जो प्रशासनिक सख्ती और पारदर्शिता की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा को इन कार्रवाइयों से असहजता हो रही है, जिससे यह सवाल भी उठता है कि कहीं इन गतिविधियों से उनके कुछ नेताओं के संबंध तो नहीं हैं।

सत्या शर्मा ने कहा कि आआपा ने सत्ता में रहते हुए भी जनता के हितों की अनदेखी की और अब विपक्ष में आने के बाद भी उसका रवैया नहीं बदला है। सत्या शर्मा ने यह भी कहा कि आआपा के नेता मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी इसी तरह जनता के मुद्दों की अनदेखी कर केवल राजनीतिक बयानबाजी में उलझी रही, तो आगामी चुनावों में उसका जनाधार और कमजोर हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आआपा की निष्क्रियता और खराब कार्यप्रणाली के कारण ही उसकी स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। पंजाब, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों में भी पार्टी का जनाधार घट रहा है, जो उसकी नीतियों और कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है।

सफाई कर्मचारियों के समर्थन में निगम मुख्यालय पर धरना जारी, अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सफाई कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के समर्थन में नगर निगम मुख्यालय पर जारी धरना प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इस दौरान अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर निगम प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। धरने में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक वीर सिंह धिंगान भी शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार कोर कमेटी के नेतृत्व में निगम प्रशासन के खिलाफ निर्णायक संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे। धिंगान ने आरोप लगाया कि जब-जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आती है, तब-तब सफाई कर्मचारियों के साथ अन्याय और उनके अधिकारों का हनन होता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के स्तर पर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो से ढाई दशकों से दिल्ली नगर निगम में सफाई कर्मचारियों का नियमितीकरण नहीं किया गया है। उन्होंने पूर्व सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान हजारों कर्मचारियों को नियमित किया गया था, जबकि वर्तमान व्यवस्था में यह प्रक्रिया ठप पड़ी है। धिंगान के अनुसार, दिल्ली में बीते 30 से 35 वर्षों में नई भर्ती नहीं होने के कारण कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है, जबकि शहर की आबादी और गंदगी दोनों में लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए राजधानी में कम से कम 30 हजार नए सफाई कर्मचारियों की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा कर्मचारियों से एक व्यक्ति के स्थान पर तीन-तीन कर्मचारियों का काम जबरन कराया जा रहा है, जिससे उन पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है।

दिल्ली बजट पर कांग्रेस का हमला: योजनाओं की राशि खर्च न होने से सरकार की कार्यशैली पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आगामी बजट सत्र से पहले दिल्ली सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में घोषित योजनाओं के लिए निर्धारित बजट का बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की प्रशासनिक क्षमता और नीतिगत प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं।

देवेन्द्र यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया था, जिसमें से योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए निर्धारित राशि को संशोधित कर 57,850 करोड़ रुपये कर दिया गया। इसके बावजूद अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक केवल 33,234 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, जो कुल बजट का लगभग 57.45 प्रतिशत है। उन्होंने इसे सरकार की विफलता का प्रमाण बताते हुए कहा कि शेष राशि का उपयोग न होना विकास कार्यों की धीमी गति को दर्शाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बजट में बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका क्रियान्वयन नहीं हुआ। उनके अनुसार, इस बार भी लोकलुभावन घोषणाओं के माध्यम से पिछली नाकामियों को छिपाने का प्रयास किया जाएगा।

आर्थिक प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए यादव ने कहा कि सरकार ने एनएसएसएफ से ऋण लेने की बात कही थी, लेकिन अब राज्य बॉन्ड के माध्यम से अतिरिक्त धन जुटाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली सब्सिडी जैसी आवश्यक योजनाओं के लिए भी धन की कमी सामने आ रही है, क्योंकि निर्धारित बजट का अधिकांश हिस्सा पहले ही खर्च हो चुका है।

पर्यावरण क्षेत्र में सरकार की निष्क्रियता पर भी उन्होंने चिंता जताई। उनके अनुसार, पर्यावरण विभाग को आवंटित 437 करोड़ रुपये में से केवल 15 प्रतिशत ही खर्च किए गए, जबकि प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित राशि का भी सीमित उपयोग हुआ। प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी कई योजनाएं जैसे एंटी-स्मॉग मशीन और वास्तविक समय निगरानी प्रणाली पर कोई ठोस कार्य नहीं हुआ।

दिल्ली जल बोर्ड की स्थिति पर भी यादव ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बोर्ड पर 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है और संसाधनों के प्रभावी उपयोग के अभाव में जनता को दूषित जल मिल रहा है। उन्होंने पूछा कि जब योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, तो जल आपूर्ति और सीवेज परियोजनाओं को कैसे पूरा किया जाएगा।

महिला कल्याण योजनाओं को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उनके अनुसार, महिला समृद्धि योजना के तहत घोषित 5,100 करोड़ रुपये की राशि न तो खर्च की गई और न ही इसके लिए कोई ठोस व्यवस्था बनाई गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दवाओं की कमी और अस्पतालों की खराब स्थिति के बावजूद बजट का पूर्ण उपयोग नहीं किया गया।

यादव ने शिक्षा, रोजगार और सामाजिक कल्याण योजनाओं में भी कम खर्च को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास तथा श्रमिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी बजट का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं किया गया। इससे स्पष्ट है कि

सरकार घोषणाओं को धरातल पर उतारने में असफल रही है।

केंद्र सरकार से मिलने वाले सहयोग पर भी उन्होंने असंतोष जताया। उनके अनुसार, विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के तहत अपेक्षित धनराशि नहीं मिल पाई या उसका उपयोग नहीं किया जा सका, जिससे विकास कार्य प्रभावित हुए। अंत में देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले एक वर्ष का वित्तीय प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सरकार की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रही हैं और आम जनता को इसका सीधा नुकसान उठाना पड़ा है।

विदेश में रह रहे पति को वर्चुअल माध्यम से पेश होने की अनुमति, तीन माह तक कठोर कार्रवाई पर रोक

प्रयागराज (शिखर समाचार)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक अहम आदेश में वैवाहिक विवाद से जुड़े प्रकरण में विदेश में रह रहे पति को मध्यस्थता प्रक्रिया में वर्चुअल माध्यम से शामिल होने की अनुमति प्रदान की है। न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकल पीठ ने पूनम चंद व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य मामले की सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिए, जिसमें अधिवक्ता अपूर्व हजेला की प्रभावी पैरवी और ठोस दलीलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सुनवाई के दौरान आवेदकों की ओर से अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने जोरदार तरीके से पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि मामला पूर्णतः वैवाहिक प्रकृति का है तथा पति अंकुर चंद वर्तमान में विदेश में निवास कर रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि भौगोलिक दूरी के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए पति की भौतिक उपस्थिति संभव नहीं है, ऐसे में उसे वर्चुअल माध्यम से शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए, जिससे मध्यस्थता प्रक्रिया बाधित न हो और विवाद के समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जा सके। अधिवक्ता अपूर्व हजेला की इन दलीलों को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने आदेश दिया कि पति अंकुर चंद को मध्यस्थता प्रक्रिया में वर्चुअल माध्यम से उपस्थित होने की अनुमति दी जाए। साथ ही मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र को निर्देशित किया गया कि वे आवश्यक तकनीकी

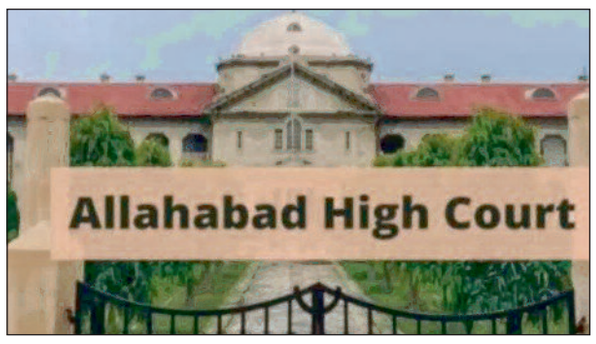

व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि विदेश में रहने के बावजूद उनकी भागीदारी सुचारु रूप से हो सके।
मामले के अन्य पहलुओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने पाया कि विवाद की प्रकृति वैवाहिक है और इसमें आपसी सहमति से समाधान की संभावना मौजूद है। इसी आधार पर न्यायालय ने प्रकरण को उच्च न्यायालय के मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र, प्रयागराज को भेजते हुए दोनों पक्षों को सुलह का अवसर प्रदान किया। न्यायालय ने आवेदकों को निर्देश दिया कि वे तीन सप्ताह के भीतर 50 हजार रुपये की धनराशि जमा करें। इस राशि में से 25 हजार रुपये विपक्षी पक्ष को पहली उपस्थिति पर, 20 हजार रुपये दूसरी उपस्थिति पर तथा शेष 5 हजार रुपये मध्यस्थता केंद्र को दिए जाएंगे। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था मध्यस्थता प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और विपक्षी पक्ष की उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। इसके अतिरिक्त न्यायालय ने मध्यस्थता केंद्र को तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं तथा मामले को तीन माह बाद रिपोर्ट के साथ पुनः सूचीबद्ध करने को कहा है।
महत्वपूर्ण रूप से न्यायालय ने आवेदकों को राहत देते हुए अगली सुनवाई तक उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार की कठोर कार्रवाई न करने का आदेश दिया है। हालांकि यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समयावधि में 50 हजार रुपये जमा नहीं किए गए तो यह राहत स्वतः समाप्त हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह मामला वर्ष 2022 में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें दहेज उत्पीड़न, मारपीट और आपराधिक धमकी जैसी धाराएं लगाई गई हैं। अब न्यायालय के इस आदेश से दोनों पक्षों को न केवल सुलह का अवसर मिला है, बल्कि तकनीकी माध्यमों के उपयोग से न्याय प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली है।

आपत्तिजनक वीडियो वायरल, पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग

मुरादनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक एवं भ्रामक वीडियो के वायरल होने से लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों ने थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर आपत्तिजनक सामग्री तैयार कर उसे इंस्टाग्राम सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया है। आरोप है कि उक्त वीडियो के माध्यम से सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और समुदाय विशेष की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया गया है।
घटना को लेकर हिन्दू युवा वाहिनी एवं गौ सेवकों में भारी रोष देखने को मिला। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने वालों की शीघ्र पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान शुभम त्यागी, शिवा शर्मा (गौ सेवक), शिवम त्यागी, संचित, बबलू प्रजापति, मनीष, अक्षत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

11 हजार दीपों से आलोकित हुआ ग्राम कन्नौजा, 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य समापन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम कन्नौजा में आयोजित तीन दिवसीय भव्य 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन हजारों श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला में पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए आहुतियां अर्पित कीं।

कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप राव ने बताया कि यज्ञ के माध्यम से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा समस्त क्षेत्र को दैवीय शक्तियों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस महायज्ञ के जरिए बच्चों और युवाओं को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और आदर्श जीवन शैली के प्रति प्रेरित किया गया। समापन अवसर पर प्रातःकाल वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूणार्हुति सम्पन्न हुई। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए विशाल प्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को आयोजित भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहे।
इसके बाद आयोजित भव्य दीप महायज्ञ कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने 11 हजार दीप प्रज्वलित कर पूरे परिसर को आलोकित कर दिया और विश्व शांति व मानव कल्याण की कामना की।
इस अवसर पर विमल त्यागी द्वारा संचालित सेव लाइफ फाउंडेशन के अंतर्गत चल रहे वृद्धाश्रम एवं अनाथाश्रम के तीन वर्ष पूर्ण होने पर गायत्री परिवार द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन निशी शर्मा ने किया।
कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ अनुज त्यागी, आयुध निमार्णी के कार्यकारी निदेशक कमलेश कुमार, यंत्र वूमेन वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष हिना गुप्ता, संयुक्त महाप्रबंधक आयुध निमार्णी नवीन कुमार गहलोत, वरिष्ठ पत्रकार रामकिशन बंधु, पालिका के मनोनीत सभासद अमरीश गोयल, अनिल गोयल, हिन्दू युवा वाहिनी के आयुष त्यागी, नीरज भारद्वाज, हरकरण बंसल, शिवकुमार गोयल, विनोद सोनी, अंबुज कुमार, शर्मिष्ठा त्यागी, ज्ञानेंद्र भारद्वाज, गंगाशरण, डॉ रामकुमार, अशोक मित्तल, अरविंद त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नजीबाबाद में प्रतिबंधित मांस के साथ दो गिरफ्तार, फ्रिज से बरामद हुआ मांस

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को प्रतिबंधित गोवंश मांस के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी ईद के अवसर पर अपने रिश्तेदार के यहां आए हुए थे। पुलिस ने बरामद मांस को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया है तथा मामले में अन्य संलिप्त लोगों की तलाश तेज कर दी है।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलमान और अयान, निवासी ग्राम भनेड़ा, थाना किरतपुर के रूप में हुई है। दोनों आरोपी ईद के त्योहार पर नजीबाबाद के मोहल्ला पठानपुरा स्थित इदरीश के यहां ठहरे हुए थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि उक्त स्थान पर प्रतिबंधित पशु का मांस रखा गया है।
सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान घर में रखे फ्रिज से लगभग 500 ग्राम प्रतिबंधित गोवंश मांस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने करीब दो किलो मांस खरीदा था, जिसमें से कुछ हिस्सा फ्रिज में रखा गया था।
पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपियों को यह मांस किसके द्वारा उपलब्ध कराया गया। साथ ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पेपर फैक्ट्री में मोटर चोरी का खुलासा, पांच शातिर चोर गिरफ्तार

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनपद की थाना बिहारीगढ़ पुलिस ने पेपर फैक्ट्री में हुई बड़ी चोरी का सफल खुलासा करते हुए पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी गई 47 बिजली मोटर सहित अन्य सामान बरामद कर लिया है। साथ ही आरोपियों के पास से अवैध तमंचे और कारतूस भी मिले हैं।
पुलिस के अनुसार 19 मार्च को गणेश पेपर इंडस्ट्री, सतपुरा के प्रबंधक द्वारा फैक्ट्री से 47 बिजली मोटर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया और जांच शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तालिब पुत्र जरीफ निवासी शाहपुर भगवानपुर, मोहसीन पुत्र इकबाल निवासी ग्राम कुरड़ीखेड़ा बिहारीगढ़, जमील पुत्र शरीफ निवासी ग्राम सिसोना भगवानपुर हरिद्वार, वसीम पुत्र जरीफ निवासी मंगलौर हरिद्वार तथा परवेज पुत्र याकूब निवासी चोली शाहब्बुद्दीन भगवानपुर हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 47 बिजली मोटर, एक छोटा हाथी (टाटा ऐस), एक मोटरसाइकिल, तीन अवैध तमंचे, पांच जिंदा कारतूस तथा चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं।
पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पूर्व फैक्ट्री से मोटर चोरी कर जंगल में छिपा दी थी और बाद में उसे बेचने की योजना बनाई थी। घटना वाले दिन आरोपी दोबारा चोरी के इरादे से फैक्ट्री पहुंचे, लेकिन चौकीदार के जाग जाने के कारण वारदात को अंजाम नहीं दे सके। इसके बाद वे पहले से छिपाए गए माल को बेचने जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है।

राज्य स्तरीय ओपन पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर की टीम बनी चैम्पियन

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं कबड्डी संघ के तत्वावधान में चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय आमंत्रण ओपन पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का समापन भव्य रूप से हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मुजफ्फरनगर की टीम ने बागपत की टीम को 25-9 के अंतर से हराकर चैम्पियनशिप अपने नाम कर ली।

समापन अवसर पर विजेता टीम को पगड़ी पहनाकर, पदक प्रदान कर तथा चैम्पियनशिप ट्रॉफी और ट्रैक सूट भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें सही दिशा और अधिक अवसर देने की है। उन्होंने प्रशिक्षकों और टीम प्रबंधकों से अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार की खेल योजनाओं की जानकारी देते हुए आश्वासन दिया कि खेल सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि अर्जुन देशवाल (डीएसपी एवं अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी) ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
समापन समारोह में बृजेश सिंह, नपेंद्र, विकास तोमर (अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी), राहुल (प्रो कबड्डी खिलाड़ी), राजीव, रोहित, रवि, अमित, नीरज (राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी), रामपाल सिंह (सहसचिव जिला ओलंपिक संघ), पुनीत तेवतिया (सचिव जिला कबड्डी संघ हापुड़), गोपेंद्र (सचिव जिला कबड्डी संघ मेरठ), अरविंद कुमार (सचिव जिला कबड्डी संघ बिजनौर), निशांत (सचिव जिला कबड्डी संघ सहारनपुर) तथा धर्मेंद्र कोच सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला खेल कार्यालय के समस्त अंशकालिक प्रशिक्षकों एवं स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अतिथियों का स्वागत प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र सिंह यादव एवं उप क्रीड़ा अधिकारी कुमारी पूनम बिश्नोई द्वारा पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और पटका पहनाकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी पूनम बिश्नोई एवं डॉ. राजीव कुमार (बाल कल्याण समिति) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अंत में सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और निर्णायकगणों का आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता का समापन घोषित किया गया।

जयंत चौधरी का सुरक्षा घेरा मजबूत किए जाने की मांग

शामली (शिखर समाचार)। आर्य जाट महासभा शामली की कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक महासभा कार्यालय, जाट भवन, भैंसवाल रोड, शामली में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी दिए जाने की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि जयंत चौधरी की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाए, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही, धमकी देने वाले व्यक्ति के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की भी मांग की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आर्य जाट महासभा का एक प्रतिनिधिमंडल जिला अधिकारी शामली को ज्ञापन सौंपेगा। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार एवं गृह मंत्रालय से जयंत चौधरी की सुरक्षा बढ़ाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी वार्षिक कार्यक्रम एवं अलंकरण समारोह को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के अध्यक्ष सुनील निर्वाल ने की, जबकि संचालन महासचिव दिव्य प्रभाकर द्वारा किया गया। बैठक में राजकुमार चेयरमैन, बाबूराम पंवार, रामपाल सिंह देशवाल, ओमपाल सिंह निर्वाल, विपिन गोहरनी, विश्व देव पंवार (अधिवक्ता), अभय राणा, डॉ ओमपाल सिंह, नितिन वर्मा सहित अन्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

होम डिलीवरी न मिलने से गैस उपभोक्ता परेशान, एसडीएम के निर्देश बेअसर

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। रसोई गैस उपभोक्ताओं को सुविधा देने के लिए होम डिलीवरी शुरू कराने के प्रशासनिक आश्वासन के बावजूद व्यवस्था अब तक लागू नहीं हो सकी है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए गोदामों और एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनमें भारी आक्रोश व्याप्त है। नगर की एक गैस एजेंसी पर नाराज उपभोक्ताओं ने हंगामा करते हुए जल्द से जल्द होम डिलीवरी शुरू करने की मांग उठाई।

उपभोक्ताओं का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। गत दिनों आयोजित बैठक में एसडीएम ने गैस वितरकों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि ओटीपी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता बनाए रखते हुए घर-घर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके बावजूद क्षेत्र में अब तक होम डिलीवरी व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रशासन के आदेशों की अनदेखी करना गंभीर मामला है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो संबंधित एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी। उधर उपभोक्ताओं ने भी जल्द समाधान न होने पर बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

फरार रेप आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफि जपुर क्षेत्र में एक किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार के अनुसार हाफि जपुर थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को टोल प्लाजा के पास से महोबा निवासी मंगल रजक बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद आरोपी ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और फरार हो गया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ब्रजनाथपुर नहर पुल के पास से आरोपी मंगल रजक को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

राष्ट्र विरोधी गतिविधि : पुलिस ने 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, महिला सहित नाबालिक भी शामिल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्र विरोधी गतिविधि के मामले में बनाई गई एसआईटी टीम लगातार कार्यवाही कर रही है। टीम ने एक बार फिर 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक महिला सहित नाबालिक भी शामिल है। पुलिस ने इस संबंध में बिहार निवासी नौशाद और मथुरा निवासी मीरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 3 मोबाइल भी बरामद किए है। पुलिस इस मामले में अभी तक 18 अभियुक्तों की गिरफ़्तारी कर चुकी है। खास बात यह है कि नौशाद सोशल मीडिया के माध्यम से आर्थिक कमजोरी लोगों को चिन्हित कर इस काम पर लगाता था। इसी कड़ी में थाना कौशांबी पुलिस को विदेशियों को फोटो और वीडियो के माध्यम से कुछ लोगों द्वारा सूचना देने की जानकारी मिली थी। कौशांबी पुलिस ने इस संबंध में बीती 14 मार्च 2026 को 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने संबंध में उनसे पूछताछ शुरू की तो 11 अभियुक्तों के नाम सामने आए। इतना ही नहीं उनके फोन से सुरक्षित और धार्मिक स्थलों से जुड़े फोटो व वीडियो भी बरामद हुए। वहीं उन्हें प्रत्येक फोटो भेजने के 10 हजार रुपए और वीडियो के 20 हजार रुपए मिलते थे। देश की सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए उन्होंने सौर ऊर्जा से चलने वाले सिम-आधारित

स्टैंड-अलोन सीसीटीवी कैमरे भी लगाए थे। इस पूरे नेक्सस का पदार्फाश करने के लिए 1 एसआईटी टीम का गठन किया गया था। टीम ने प्रकाश में आए 11 अभियुक्तों में से 9 को गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें कुछ नाबालिक भी शामिल है।डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में 14 मार्च को एक सूचना मिली थी कि कुछ लोग रेलवे स्टेशनों, सुरक्षा बलों के ठिकानों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की तस्वीरें व वीडियो विदेशी नंबरों पर साझा कर रहे है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शुरूआत में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था और इनके खिलाफ 'ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट' और 'भारतीय न्याय संहिता' की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गहराई से जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की। एसआईटी की पूछताछ में कई अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आए थे। इस मामले में अभी तक 18 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। पकड़ा गया अभियुक्त नौशाद सोशल मीडिया के माध्यम से आर्थिक स्थिति से कमजोर लोगों को चिन्हित करके इस गिरोह से जोड़ता था।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने पेश की मानवता की मिसाल, दिव्यांग नमाजी को गोद में उठाकर पार कराया हाईवे, हर तरफ हो रही तारीफ

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में सेवा-सुरक्षा-सहयोग के नारे को सच करते हुए सचेंडी पुलिस के जवानों ने शनिवार को मानवता की मिसाल पेश की। ईद की नमाज के दौरान हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों ने एक दिव्यांग युवक को बेबस हालत में सड़क पार करने की कोशिश करते देखा। बिना वक्त गंवाए दरोगा योगेश और कांस्टेबल विपुल उसके पास पहुंचे और उसे अपनी गोद में उठाकर सुरक्षित हाईवे पार कराया। पुलिसकर्मियों की इस संवेदनशीलता को वहां मौजूद राहगीरों ने अपने कैमरों में कैद कर लिया, जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

गोमती प्रवाह पंचांग का हुआ विमोचन

लखनऊ, एजेंसी। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को अपने आवास पर गोमती प्रवाह वार्षिक पंचांग के 27वें अंक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह लखनऊ का पहला पंचांग है जिसे लगातार 27 वर्षों से प्रकाशित और निशुल्क वितरित किया जाता है। पंचांग के संपादक रिद्धि किशोर गौड़ ने कहा कि पंचांग में मूर्ति विसर्जन के लिए गाय के गोबर से बनी मूर्तियों के प्रयोग के बारे में भी बताया गया है। इस अवसर पर श्री शुभ संस्कार समिति के उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, अजय मेहरोत्रा, धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष मोहित शर्मा, सप्त ऋषि मिश्रा और राजीव तिवारी मौजूद रहे।

साजिश रचकर मेरे पति को मार डाला, असल आरोपियों को बचा रही पुलिस

गोरखपुर, एजेंसी। चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा गांव निवासी सुशीला देवी ने पति प्रॉपर्टी डीलर राजकुमार चौहान की हत्या के मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर उन्होंने आरोप लगाया कि साजिश रचकर उनके पति की हत्या की गई। असल आरोपियों को पुलिस बचा रही है। पार्षद धर्मदेव चौहान को आरोपियों का लीडर बताते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री व प्रशासन से कठोर कार्रवाई और अवैध संपत्तियों की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि कुछ आरोपियों के जेल जाने के बावजूद वारदात का पूरा सच अब तक सामने नहीं आया है। उन्होंने नामजद आरोपियों पर साजिश रचकर हत्या का आरोप लगाया। सुशीला देवी ने प्रेसवार्ता में बताया कि 17 मार्च की सुबह करीब पांच बजे टहलते समय उनके पति की हत्या कर दी गई। इस वारदात को गांव के दीपक गौड़, धर्मदेव चौहान, शेष यादव, लालजी यादव उर्फ गट्टू, धर्मपाल चौहान, अमर सिंह चौधरी, मोनू पांडेय, सत्येन्द्र, टिल्लू चौधरी और अभय पांडेय ने साजिश रचकर अंजाम दिया। सुशीला देवी का आरोप है कि दीपक गौड़ व शेष यादव के डंपर चालक राज चौहान और विपिन यादव को आगे कर केस को मोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि दीपक गौड़, गट्टू यादव, शेष यादव और रवि यादव अवैध रूप से मिट्टी की खोदाई कर रहे हैं और गाड़ियों का संचालन कर रहे हैं। इनके संरक्षक पार्षद धर्मदेव चौहान के पास करोड़ों की अवैध संपत्ति है। पति के गले से लूटी गई चेन अब तक बरामद नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खुलेआम घूमने और प्रभाव के चलते केस सही दिशा में नहीं जा रहा। यह मामला साजिश के तहत करवाया गया अपराध है।

कभी मोटापे पर मिले ताने, अब फिटनेस ऐसी की दुनिया जाने, करन जीत चुके हैं तीन मिस्टर इंडिया का खिताब

कानपुर, एजेंसी। कभी मोटापे के कारण तानों का शिकार बने गोविंदनगर के करन कपूर ने अपनी मेहनत और मजबूत इरादों के दम पर फिटनेस की दुनिया में खास पहचान बनाई है। आज वे एशिया के प्रमुख फिटनेस एथलीट्स में शुमार हैं। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें भारत प्रो शो में एक्शन हीरो फिटनेस अवॉर्ड से अभिनेता विद्युत जामवाल ने सम्मानित किया। साल 2024 में करन ने एशिया स्तर पर यह उपलब्धि हासिल की। वे लगातार तीन बार मिस्टर इंडिया का खिताब जीत चुके हैं। इसके अलावा मिस्टर यूपी, मिस्टर वर्ल्ड टाइटल सहित कई बड़े खिताब भी उनके नाम दर्ज हैं। गोविंदनगर निवासी करन बताते हैं कि बचपन में अधिक वजन की वजह से उनका मजाक उड़ाया जाता था। इससे परेशान होकर उन्होंने घर पर ही नियमित व्यायाम शुरू किया। इसी दौरान अभिनेता विद्युत जामवाल की फिल्म कमांडो देखकर उन्होंने फिट और मजबूत शरीर बनाने का लक्ष्य तय किया। अनुशासित दिनचर्या और संतुलित आहार की बदौलत उन्होंने कई बड़े फिटनेस खिताब अपने नाम किए। 30 वर्षीय करन आज समाज में फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का काम कर रहे हैं। खुद कभी मोटापे से जूझ चुके करन अब फिट इंडिया, हिट इंडिया का संदेश देकर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बेहतर फिटनेस के बाद करन ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। उन्होंने 6-8 महीने तक थिएटर में काम किया, जिसके बाद उन्हें फिल्म रात अकेली है में अवसर मिला। इसके बाद उन्हें लगातार फिल्मों और वेब सीरीज के ऑफर मिलने लगे।

आधे घंटे की बारिश में पांच डिग्री गिरा तापमान

बिजली गिरने से किसान की मौत; दो झुलसे

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर जिले में शुक्रवार की भोर में आधे घंटे तक गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। इससे मौसम बदल गया। अधिकतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस लुढ़क कर नीचे आ गया। जो तामपान बृहस्पतिवार को 36 डिग्री सेल्सियस था वह शुक्रवार को 31 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। न्यूतनत तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा है। इससे पहले 11, 12 फरवरी को बारिश हुई थी। मौसम विज्ञान विभाग ने दो दिनों तक जिले में बारिश की संभावना जताई है। दूसरी तरफ, आकाशीय बिजली गिरने से किसान हरिशंकर उर्फ ढकेलू (70) की मौत हो गई। साथ ही दो लोग झुलस गए।

बारिश के साथ ही तेज हवाएं भी चलीं। इससे खेतों में खड़ी गेहूं की फसल गिर गई। चेतगंज क्षेत्र में सरसों, अरहर, चना की फसल गिर गई। पटेहरा के किसान शिव कुमार, शुभम सिंह, बालेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरसों, गेहूं की तैयार फसल खेत में खड़ी है। कटाई भी शुरू है। बारिश और हुई तो पैदावार प्रभावित होगी। सीखड़ क्षेत्र में गेहूं की फसल गिरी है। सक्तेशगढ क्षेत्र में खेतों में काटकर रखी गईं फसलें भींग गईं। हलिया, कछवां, मझवां क्षेत्र के किसान भी चिंतित नजर आए।

मौसम वैज्ञानिक शिवमंगल सिंह ने बताया कि जिले में तीन दिनों तक बादल छाए रहेंगे। बारिश की संभावना है। हवा की गति भी सामान्य से ज्यादा रह सकती है। कही-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

फसलों की कटाई और मड़ाई करें किसान : जिला कृषि अधिकारी डॉ अवधेश कुमार यादव ने बताया कि जिले में एक लाख, 20 हजार एकड़ में गेहूं की खेती की गई है। ज्यादातर फसलों में दाने पड़ गए हैं। कुछ क्षेत्रों में पिछैती गेहूं की बालियों में दाने आ रहे हैं। किसान मौसम देखकर ही फसलों की कटाई और मड़ाई करें। तेज हवा के साथ बारिश से फसल गिर जाती है। इससे दाने कमजोर पड़ जाते हैं। फसल के खराब होने की आशंका रहती है।

पड़री, हलिया, और मड़िहान में गिरी बिजली, एक की मौत-दो झुलसे : मिर्जापुर जिले के तीन स्थानों पर शुक्रवार को बिजली गिरने से किसान हरिशंकर उर्फ ढकेलू (70) की मौत हो गई और दो लोग झुलस गए। पड़री थाना क्षेत्र के चांदलेवा छप्पन गांव में किसान हरिशंकर उर्फ ढकेलू (70) ने खेत में चने की फसल काटकर रखी थी। शुक्रवार की सुबह बारिश हुई तो, वह खेत चले गए।

चने की फसल को लेकर घर आने लगे। इसी बीच बिजली गिरी और हरिशंकर उसकी चपेट में आ गए। बिजली से वह झुलस गए। मौके पर पहुंचे परिजन उन्हें पड़री प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आपदा राहत कोष से उचित मुआवजा देने की मांग की है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बिजली गिरने से वृद्ध की मौत हुई है।

परिजनों में मातम : दूसरी तरफ, मड़िहान थाना क्षेत्र के सुगापांख गांव निवासी विजयमल मौर्य शुक्रवार की सुबह साइकिल से दूध लेकर रजौहा स्थित डेरी पर गए थे। सुबह नौ बजे लौटते समय घर से 500 मीटर पहले वे बिजली की चपेट में आकर झुलस गए। उनके दाहिने पैर के घुटने से नीचे की हड्डी बाहर निकल गई।

ग्रामीणों की सूचना पर परिजन पहुंचे और विजयमल मौर्य को नारायनपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर गए। इसी तरह हलिया थाना क्षेत्र के नौगवां गांव निवासी रमेश (50) सुबह घर से थोड़ी पर रहने वाले भाई के घर जा रहे थे। इसी दौरान बिजली की चपेट में आने से रमेश अचेत होकर जमीन पर गिर गए। परिजन उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया ले गए जहां चिकित्सक डा. रीना सिंह ने उपचार किया।

पांच राज्यों के चुनाव अकेले दम पर लड़ना बसपा के लिए चुनौती

पार्टी असम और पुडुचेरी को छोड़कर बाकी तीन राज्यों में अपने प्रत्याशी उतारेगी

लखनऊ, एजेंसी। पांच राज्यों के चुनाव अकेले लड़ना बसपा के लिए चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी कुछ क्षेत्रों में सीमित सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है। बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच उसे मजबूत रणनीति और संगठनात्मक पकड़ के जरिए अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की जरूरत होगी।

बहुजन समाज पार्टी पांच राज्यों तामिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी पेश करने की तैयारी में है। पार्टी असम और पुडुचेरी को छोड़कर बाकी तीन राज्यों में अपने प्रत्याशी उतारेगी। हालांकि इन राज्यों में अकेले दम पर चुनाव लड़ना उसके लिए चुनौती साबित होगा। बसपा बीते कई महीनों से पश्चिम बंगाल और केरल में अपने संगठन को धार देने में जुटी है। वहीं तामिलनाडु में बसपा संगठन पहले से मजबूत है।

केरल में नेशनल कोआर्डिनेटर अशोक सिद्धार्थ, जयप्रकाश सिंह समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों को चुनाव की तैयारियां करने की जिम्मेदारी सौंपी है। बसपा ने बीते वर्ष दिसंबर माह में केरल में निकाय चुनाव में कई सीटों पर जीत दर्ज की थी, जिससे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीती 22 फरवरी को इन राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव की तैयारियों में जुटने को कहा था, जिसकी रिपोर्ट जल्द लेने की तैयारी है।

वहीं तामिलनाडु में बसपा ने बीते कुछ वर्षों में संगठन की जड़ें मजबूत हुई हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद मायावती और आकाश आनंद ने तामिलनाडु जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की थी। पार्टी ने इस घटना को लेकर सत्तारूढ़ दल पर जबरदस्त हमला भी बोला था, जिससे खासकर दलितों में पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ी थी। साथ ही बसपा की डॉ. भीमराव अंबेडकर और कांशीराम की नीतियों वाली एकमात्र पार्टी के रूप में पहचान स्थापित हुई थी।

बंगाल में कर सकती है खेला

पश्चिम बंगाल में इस बार विधानसभा चुनाव में मुकाबला चुनौती भरा होने वाला है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच होने वाले मुकाबले में बसपा बड़ा उलटफेर कर सकती है। पार्टी ने पश्चिम बंगाल में बूथ लेवल तक संगठन को मजबूत किया है।

वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने हाल ही में राष्ट्रपति के अपमान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला भी बोला है। बसपा अगर दलितों के साथ मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने में कामयाब होती है तो इसका नुकसान तृणमूल कांग्रेस को हो सकता है।

कड़ी सुरक्षा में अदा की गई ईद की नमाज, लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को दी बधाई

बदायूं , एजेंसी। बदायूं में शहर से लेकर गांवों तक ईद की रौनक छा गई। शनिवार को सुबह तय वक्त पर ईदगाहों और मस्जिदों में हजारों लोगों ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

बदायूं जिले में ईद का त्योहार हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। शनिवार को सुबह से ही शहर और आसपास के क्षेत्रों की ईदगाहों व मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नमाज अदा कर देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ मांगी।

ईद के मौके पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। जिले के प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी रखी गई।

गले मिलकर दी मुबारकबाद

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बाजारों में भी रौनक रही, जहां लोगों ने खरीदारी कर त्योहार का आनंद लिया।

जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनपदवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईद का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। हर जगह भाईचारे और आपसी सद्भाव की मिसाल देखने को मिली।

आपके खाते से टेरर फंडिंग हो रही है, सीबीआई-एनआईए अफसर बन व्यापारी को डराया; 31 लाख रुपये ठगे

आगरा , एजेंसी। साइबर अपराधियों ने खाते से लगभग 31 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। आरोपियों ने पीड़ित को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जांच के बाद रकम वापस करने का झांसा भी दिया, जिससे पीड़ित लंबे समय तक उनके झांसे में बना रहा।

कासगंज के गंजडुंडवारा क्षेत्र में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां ठगों ने टेरर फंडिंग का डर दिखाकर एक मेडिकल संचालक को डिजिटल अरेस्ट कर लिया। उससे करीब 31 लाख रुपये ठग लिए। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला खैरू निवासी मेडिकल संचालक मुहम्मद स्वालेह अंसारी ने बताया कि 12 मार्च को उनसे व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से संपर्क किया गया। कॉल करने वालों ने खुद को सीबीआई और एनआईए का अधिकारी बताते हुए आरोप लगाया कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर फर्जी बैंक खाता खोला गया है, जिससे टेरर फंडिंग और आपत्तिजनक गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

ठगों ने उन्हें कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर मानसिक दबाव बनाया और डिजिटल अरेस्ट जैसा माहौल पैदा कर दिया। इसके बाद 12 मार्च से 19 मार्च के बीच अलग-अलग किश्तों में उनके खाते से लगभग 31 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए।

आरोपियों ने पीड़ित को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जांच के बाद रकम वापस करने का झांसा भी दिया, जिससे पीड़ित लंबे समय तक उनके झांसे में बना रहा। जब ठगी का अहसास हुआ तो पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। इस संबंध में सीओ पटियाली संदीप वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और साइबर ठगों की पहचान के लिए जांच की जा रही है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की कॉल या संदेश मिलने पर सतर्क रहें और किसी भी स्थिति में अपनी बैंकिंग जानकारी या धनराशि साझा न करें।

गोरखपुर-सोनौली हाईवे पर स्टंटबाजी...बाइक सवार युवकों ने राहगीरों के मुसीबत में डाला

गोरखपुर , एजेंसी। जंगल कौड़िया (गोरखपुर)। पीपीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर गांव के सामने गोरखपुर-सोनौली हाईवे पर शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे दो युवकों ने बाइक पर लगभग तीन मिनट खतरनाक स्टंटबाजी की। युवक बारी-बारी हेलमेट पहनकर तेज रफ्तार से बाइक चलाते हुए स्टंट करते रहे, जिससे आने-जाने वाले वाहन चालक परेशान रहे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर बाइक को सीज कर दिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुलरिहा इलाके के सेमरा नंबर दो निवासी अंकुर वर्मा के रूप में हुई। ग्रामीण दिनेश, मनोज, राजमंगल सिंह, पलटूराम ने बताया कि स्टंटबाजी की वजह से स्कूल जाने वाले बच्चों को भी समस्या का सामना करना पड़ा। कई ड्राइवरों ने सावधानी बरतते हुए किसी तरह अपने वाहन निकाले। स्टंटबाजी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीपीगंज थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि स्टंटबाजी करने वाले एक युवक को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

बारिश, ठंड और कोहरा, 16.6 डिग्री गिरा तापमान

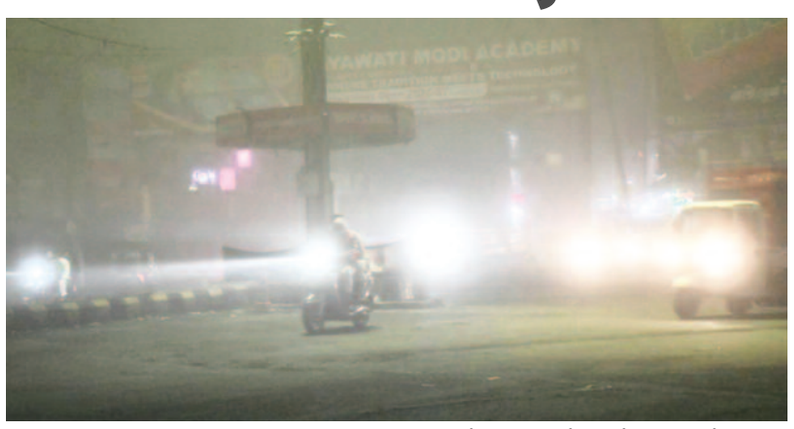

मेरठ , एजेंसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिनों से हो रहे मौसम के बड़े बदलाव ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के चलते मार्च की तपती गर्मी अचानक गायब हो गई है और लोगों को एक बार फिर अलमारी से गर्म कपड़े निकालने पड़े हैं। जहां एक ओर बारिश ने प्रदूषण से राहत दी है वहीं किसानों के लिए यह बारिश कहीं खुशी, कहीं गम वाली साबित हो रही है।

मार्च महीने की शुरुआत में जिस तरह मेरठ का पारा 35 डिग्री सेल्सियस को छू रहा था उसने समय से पहले भीषण गर्मी के संकेत दे दिए थे। लेकिन पिछले 48 घंटों की लगातार बारिश ने समीकरण बदल दिए हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान गिरकर 18.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया जो सामान्य से काफी कम है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार, न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार देर शाम तक जिले में 16.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही का अनुमान है कि शनिवार को भी बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश के आसार बने हैं। रात में घना कोहरा छाया रहा।

संतोषजनक श्रेणी में पहुंचा मेरठ का एक्यूआई : बारिश का सबसे सकारात्मक असर शहर की आबोहवा पर पड़ा है। धूल के कण और प्रदूषण साफ होने से मेरठ का वायु गुणवत्ता सूचकांक 68 दर्ज किया गया है। लंबे समय बाद शहर की हवा संतोषजनक श्रेणी में आई है जिससे लोगों को सांस लेने में ताजगी महसूस हो रही है।

माछरा में खेतों में बिछ गई फसल : कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरएस सेंगर का कहना है कि बढ़ती गर्मी गेहूं और सरसों की फसल के दाने को सुखा सकती थी जिसे इस बारिश और ठंडक ने बचा लिया है। यह नमी फसल के उत्पादन को बढ़ाने में सहायक होगी। इधर माछरा क्षेत्र में तेज हवाओं के कारण सिंचाई की गई गेहूं की फसल खेतों में बिछ गई है। इसके अलावा आलू की खुदाई का काम पूरी तरह ठप हो गया है। गन्ना कोल्हू का जलावन (ईंधन) भीगने से कोल्हू बंद हो गए हैं। तेज हवा से आम का बौर (फूल) टूटकर गिर गया है, जिससे बागवानों को भारी नुकसान की आशंका है। किसान मुकेश, महेश और राहुल ने बताया कि अब बारिश की जरूरत नहीं है।

जलभराव ने खोली नगर निगम की पोल

हल्की बारिश ने ही मेरठ नगर निगम के ड्रेनेज सिस्टम के दावों की हवा निकाल दी है। शुक्रवार को बुढ़ाना गेट, गंगानगर और खैरनगर जैसे प्रमुख इलाकों में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। लोगों का कहना है कि नालों की सफाई समय पर नहीं हुई, जिसके कारण वे ओवरफ्लो हो रहे हैं। हल्की बारिश का पानी भी घंटों तक नहीं निकलता। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमर सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि सफाई अभियान जारी है और जहां भी जलभराव की शिकायत मिली है वहां टीमों को तत्काल रवाना कर पानी निकासी के इंतजाम किए गए हैं।

यातायात और जनजीवन : शुक्रवार सुबह से शुरू हुई गरज-चमक के साथ बारिश ने दफ्तर और काम पर जाने वालों की राह रोक दी। माछरा ओवरब्रिज के नीचे बड़ी संख्या में लोग बारिश से बचने के लिए शरण लेते नजर आए। बाजारों में भी ग्राहकों की आवाजाही कम रही और लोग घरों में दुबके रहे।

मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

अलीगढ़ , एजेंसी। चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन शुक्रवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा श्रद्धा और भक्ति के साथ की गई। दर्शन के लिए महानगर के देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। सुबह बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। नौरंगाबाद के नौ देवी मंदिर, गांधीपार्क स्थित चामुंडा देवी मंदिर, महेंद्र नगर स्थित मां काली मंदिर, हाथरस अड्डा के निकट पथवारी मंदिर, इसके अलावा गायत्री मंदिर, कामाख्या देवी मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान हुए। भजन-कीर्तन हुआ। भक्तों ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शाम को आरती में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया।चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया पर शनिवार को गणगौर की पूजा-अर्चना होगी। सौभाग्य और दांपत्य सुख की कामना के लिए महिलाएं शिव-पार्वती की आराधना करेंगी। ज्योतिषाचार्य पंडित हृदय रंजन शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है।

जेवर एयरपोर्ट लोकार्पण से पहले हाई अलर्ट : योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों का लिया ग्राउंड जायजा, 4 स्तरीय सुरक्षा प्लान तैयार

ग्रेटर नोएडा (शिखरसमाचार)। आगामी 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के लोकार्पण और कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन के साथ एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ऑपरेशंस) परियोजना के शिलान्यास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को एयरपोर्ट पहुंचकर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित रूट, पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, रैली स्थल, पार्किंग, हेलीपैड और प्रमुख मार्गों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक व्यवस्था की जानकारी लेकर सभी कार्यों को समयबद्ध और मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके बाद एयरपोर्ट परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और संचालन योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियां निभाने और हर कार्य तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों, मीडिया और आमजन की उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और प्रभावी होनी चाहिए। कार्यक्रम को भव्य और विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए व्यापक ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने साफ सफाई, निर्बाध बिजली आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा, ट्रैफिक, परिवहन, अग्निशमन, चिकित्सा सेवाएं और साइनेज जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं को समय से पहले सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पार्किंग स्थलों पर भी मोबाइल शौचालय, हेल्प डेस्क और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जनसुविधा को प्राथमिकता देते हुए कार्यक्रम स्थल के सभी ब्लॉकों में प्रशासन, पुलिस और स्वयंसेवकों की पर्याप्त तैनाती करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी को असुविधा न हो। बैठक में पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से सुरक्षा, पार्किंग और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत योजना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के लिए 4 स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत खतौली थाना क्षेत्र की एंटी रोमियो टीम ने नगर क्षेत्र के साथ साथ लाडपुर लिसोड़ा गांव के पंचायत घर परिसर में महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान टीम ने विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा नशा मुक्ति भारत अभियान जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही महिलाओं को उनकी सुरक्षा और सम्मान के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का कैसे उपयोग किया जाए। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पंपलेट वितरित किए गए तथा बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए गुड टच और बैड टच के विषय में भी जागरूक किया गया।

कुट्टू का आटा खाने से कई लोगों की तबीयत बिगड़ी, दंपत्ति जिला अस्पताल में भर्ती

शामली (शिखर समाचार)। नवरात्र के दौरान शहर में कुट्टू का आटा खाने से कई लोगों की तबीयत बिगड़ने के मामले सामने आए हैं। अलग अलग मोहल्लों से बीमार होने की शिकायतों के बीच गांव ऐरटी निवासी एक दंपत्ति की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार शहर के एक थोक विक्रेता द्वारा बिना गुणवत्ता जांच के सस्ते दामों में कुट्टू का आटा फुटकर दुकानदारों को बेचा गया। नवरात्र के चलते श्रद्धालुओं ने व्रत के लिए इसी आटे की खरीदारी की, जिसके सेवन के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। आर्यपुरी और दयानंद नगर सहित कई क्षेत्रों से लोगों के बीमार होने की सूचना मिली है, जिनमें से कई को निजी अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। बताया गया है कि गांव ऐरटी निवासी प्रदीप और उनकी पत्नी कोमल ने व्रत खोलने के लिए कुट्टू के आटे से बनी पकौड़ी खाई थी। देर रात दोनों को तेज चक्कर और उल्टी की शिकायत हुई। परिजन उन्हें तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए उपचार शुरू किया। फिलहाल दोनों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उधर, मामले की भनक लगते ही संबंधित थोक विक्रेता दुकान बंद कर फरार हो गया है। इस घटना के बाद शहर में हड़कंप का माहौल है और लोग खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चैत्र नवरात्र से पहले खाद्य विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों की समुचित जांच नहीं की गई, जिससे इस प्रकार की घटनाएं सामने आई हैं। लोगों ने मांग की है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा मिलावटी या खराब खाद्य सामग्री बेचने वाले व्यापारियों पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

केमिस्ट एसोसिएशन ने भाजपा जिला अध्यक्ष डा0 रामजीलाल कश्यप का किया स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। शामली केमिस्ट एसोसिएशन (पंजीकृत) के तत्वावधान में नगर पालिका परिषद के सभागार में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष डा० रामजीलाल कश्यप का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर तथा आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग सौ से अधिक दवा व्यापारी उपस्थित रहे, जिन्होंने संगठन के प्रति अपनी एकजुटता और सहयोग का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष देवराज मलिक ने की, जबकि संचालन महासचिव सोमेश मित्तल और कोषाध्यक्ष मनीष गर्ग ने संयुक्त रूप से किया। समारोह के दौरान डा० रामजीलाल कश्यप तथा भाजपा जिला महामंत्री राजेश मलिक का पुष्पमालाएं पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर जोरदार स्वागत किया गया। उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ अतिथियों का अभिनंदन कर उत्साहपूर्ण वातावरण बनाया।

अपने संबोधन में डा० रामजीलाल कश्यप ने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज और व्यापार दोनों के हितों की रक्षा कर सकती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दवा व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने सभी सदस्यों से नियमों का पालन करते हुए पारदर्शी एवं जिम्मेदार व्यापार करने की अपील की। इस अवसर पर देवराज मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि केमिस्ट एसोसिएशन समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है। उन्होंने विशेष रूप से नशे और अवैध दवाइयों की बिक्री से दूर रहने का आह्वान किया और कहा कि इस तरह की गतिविधियां न केवल समाज के लिए हानिकारक हैं, बल्कि व्यापार की साख को भी नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से ईमानदारी और नैतिकता के साथ कार्य करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुकेश तेवतिया, जितेंद्र अरोड़ा, संदीप कुमार, के.वी. पावर, प्रदीप कुमार, आनंद प्रकाश सिंघल सहित अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। समारोह का समापन आपसी संवाद और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

ग्रीन वैली कॉलोनी में वर्ष प्रतिपदा पर संघ का कार्यक्रम सम्पन्न

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हापुड़ नगर श्रद्धानंद शाखा द्वारा ग्रीन वैली कॉलोनी में वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर एकत्रीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मेरठ प्रांत के बौद्धिक विभाग प्रमुख पंकज त्यागी ने वर्ष प्रतिपदा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन हिंदू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है और इसी दिन संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का जन्मदिन भी होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष प्रतिपदा के साथ प्रकृति भी नव रूप धारण करती है, चारों ओर हरियाली और बसंत ऋतु का आगमन होता है। साथ ही उन्होंने विक्रम संवत की महत्ता बताते हुए कहा कि इसकी शुरूआत उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने की थी, जो कालगणना की सबसे सटीक पद्धति मानी जाती है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर सभी से पंच परिवर्तन के पालन का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकमल ने की। इस दौरान डॉ. सुबोध शर्मा, हिमांशु गर्ग, संचित, विनायक, राजेश शर्मा, योगेश, रानू, देव सहित कई स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एनएच 9 पर भीषण हादसा : तेज रफ्तार कार ने खड़े वाहनों को मारी टक्कर, महिला ड्राइवर की मौत, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

मृतक महिला का फाइल फोटो

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 9 पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े वाहनों में जा टकराई, जिससे कार चला रही महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से इलाके में अफरा तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली से अल्मोड़ा की ओर जा रही कार बाबूगढ़ क्षेत्र के कुचेसर चौपला स्थित एक होटल के बाहर खड़ी गाड़ियों से जा भिड़ी। हादसे में कार सवार दिल्ली निवासी निधि (30) गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप सिंह ने बताया कि हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ से लटका मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के रोका गांव के जंगल में रविवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार शाम के समय किसी व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि रोका गांव के जंगल में एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसी दौरान मृतक के परिजन भी वहां पहुंच गए। मृतक की पहचान गांव निवासी ऋषि पाल सिंह के 25 वर्षीय पुत्र गुलशन के रूप में हुई। परिजनों ने घटना को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए गांव के ही दो युवकों पर हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के सही कारणों का पता चल सकेगा और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी का 9वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से सम्पन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभास पार्टी) का 9वां स्थापना दिवस समारोह रविवार को गाजियाबाद के जगदीश नगर स्थित पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में उत्साह और जोश के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र यादव ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय संस्थापक एवं अध्यक्ष सत्येंद्र यादव ने कहा कि सुभास पार्टी की स्थापना 23 मार्च 2018 को शहीदों के बलिदान दिवस के अवसर पर देश के क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने तथा उनके सपनों के भारत के निर्माण के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि शहीदों ने ऐसा भारत चाहा था जहां हर नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आजीविका की सुविधाएं बिना भेदभाव के मिलें। पार्टी लगातार इसी दिशा में काम कर रही है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ संस्थापक सदस्य एवं दलित सेना के प्रदेश अध्यक्ष साधु राम ने कहा कि पार्टी केवल स्थापना दिवस नहीं मना रही, बल्कि शहीदों के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहरा रही है। वहीं पूर्वांचल क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती संगीता यादव ने कहा कि सुभाषवादी विचारधारा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा देती है और पार्टी जनता को सम्मानजनक जीवन दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पार्टी के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य मनोज कुमार शर्मा होदिया और जिला अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने भी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने और आम जनता की आवाज बनने का आह्वान किया। इस दौरान कैप्टन गोपाल सिंह, डीसी माथुर, राजकुमारी यादव, राजीव श्रीवास्तव, शैलेंद्र श्रीवास्तव, धीरेंद्र भदोरिया, अभिनव श्रीवास्तव, सुजीत तिवारी और मनोज तिवारी सहित कई नेताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता विनोद सिंह अकेला ने किया। उन्होंने केंद्र सरकार से सभी भारतीयों के लिए शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को निशुल्क करने का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित कार्यकताओं ने ध्वनि मत से पारित कर दिया। इस अवसर पर सुनील सिंह, विनय गुप्ता, महेश पांडे, रामकुमार, हरिशंकर वर्मा, राधेश्याम शर्मा, राम गणेश सिंह, संजय श्रीवास्तव, विकास पांडे, ओम प्रकाश गुप्ता, संतोष शर्मा, तपेश मुखर्जी, रामजन्म भारती, अरविंद श्रीवास्तव, ओमवीर सिंह, राजेंद्र गौतम, भगवान सिंह, दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, मुन्नीलाल शर्मा, दिनेश पासवान, एसएस जैन, पंडित जोगेंद्र, ओंकार नाथ दीक्षित, सियाराम यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समारोह में सेकडों कार्यकताओं ने भाग लेकर पार्टी की नीतियों और शहीदों के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

लुहारली टोल प्लाजा पर भीषण टक्कर : कार क्षतिग्रस्त, आरोपी चालक फरार नंबर के आधार पर दर्ज हुआ मुकदमा

दादरी (शिखर समाचार)। दादरी कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित लुहारली टोल प्लाजा के पास दो गाड़ियों की आमने सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार बुलंदशहर जनपद के जखेता गांव निवासी जितेंद्र सिंह 20 मार्च को अपने परिवार के साथ कार से गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार लुहारली टोल के पास पहुंची, तभी दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार को भारी नुकसान हुआ। पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने आरोपी चालक से गाड़ी हटाकर नुकसान की भरपाई की बात कही, तो वह अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद पीड़ित ने गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच करते हुए आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

विश्व जल दिवस पर जागरूकता की पहल : दुजाना गांव में जल संरक्षण गोष्ठी, बच्चों को बांटी गई पुस्तकें

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुजाना गांव में विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण को लेकर एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपाल सिंह ने की, जबकि संचालन मास्टर बालचंद नागर ने किया।

गोष्ठी में उम्मीद संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर और कपिल प्रधान ने कहा कि लगातार गिरता भूजल स्तर गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं और वर्षा जल संचयन जैसे उपाय अपनाएं।

उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे प्रयास जैसे नल बंद रखना, पेड़ लगाना और जल स्रोतों की सफाई करना बड़े बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही 50 बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें भी वितरित की गईं। इस अवसर पर पवन कुमार, देसराज प्रधान और अरुण नागर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

भाकियू की समीक्षा बैठक में किसानों की समस्याओं पर हुआ मंथन, समाधान न होने पर पंचायत की चेतावनी

नोएडा (शिखर समाचार)। सलारपुर स्थित भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए।

बैठक के दौरान कार्यकताओं ने नोएडा प्राधिकरण, विद्युत विभाग और पुलिस प्रशासन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्राधिकरण द्वारा गांवों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। किसानों की समस्याओं के समाधान में हो रही देरी पर भी गहरी नाराजगी व्यक्त की गई।

विशेष रूप से सलारपुर में प्रस्तावित बारात घर का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा होने पर ग्रामवासियों ने रोष जताया। उन्होंने कहा कि कई बार मांग और शिकायत करने के बावजूद कार्य को पूरा नहीं किया गया, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कार्यकताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्द ही नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मुलाकात कर सभी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो भाकियू नोएडा प्राधिकरण पर बड़ी पंचायत करने के लिए बाध्य होगी।

बैठक की अध्यक्षता संजय फौजी ने की, जबकि संचालन रविंद्र भगत द्वारा किया गया।

इस अवसर पर एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, महानगर अध्यक्ष श्रीपाल कसाना, विपिन प्रधान, नवल प्रधान, जोगिंदर भड़ाना, सिंहराज गुर्जर, रामवीर हवलदार, संदीप अवाना, हिमांशु चपराना, अशोक डेढ़ा, मनित नागर, राकेश अवाना, भिखारी लाल गुर्जर, अनिल अवाना, सतपाल अवाना, लीलू बेसोया, संचित चौहान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने एकजुट होकर किसानों के अधिकारों और गांवों के विकास के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

आरके इंटर कॉलेज में यूपी बोर्ड कॉपियों का मूल्यांकन तीसरे दिन भी शांतिपूर्ण

शामली (शिखर समाचार)। शहर के आरके इंटर कॉलेज में चल रहे यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य तीसरे दिन भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मूल्यांकन केंद्र पर हाईस्कूल की कुल 69,102 तथा इंटरमीडिएट की 56,592 उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त हुई हैं। रविवार को शिक्षकों द्वारा हाईस्कूल की 9,459 और इंटरमीडिएट की 4,644 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। डीआईओएस ऐश्वर्या जयसवाल ने केंद्र का निरीक्षण करते हुए शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और मूल्यांकन कार्य को निष्पक्ष एवं समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं, उप नियंत्रक एवं प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने भी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

संपादकीय

महंगाई और रोजगार के बीच संतुलन की चुनौती : सरकार के प्रयास और अपेक्षाएं

देश इस समय एक जटिल आर्थिक दौर से गुजर रहा है, जहाँ एक ओर वैश्विक परिस्थितियों का दबाव है, तो दूसरी ओर आम नागरिक की रोजमर्रा की चुनौतियाँ भी लगातार बढ़ रही हैं। 22 मार्च 2026 की स्थिति को देखें तो महंगाई और रोजगार आज के सबसे प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने हैं। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन चुनौतियों के बीच सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उपलब्धियों को भी संतुलित दृष्टि से समझा जाए।

पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और अंतरराष्ट्रीय तनावों का असर भारत सहित लगभग सभी देशों पर पड़ा है। ऐसे में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत मजबूती दिखाई है और विकास दर को बनाए रखने में सफलता हासिल की है। बुनियादी ढांचे में निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन जैसे कदम सरकार की दीर्घकालिक सोच को दशार्ते हैं।

फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि महंगाई का असर आम आदमी पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खाद्य पदार्थों, ईंधन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि ने परिवारों के बजट को प्रभावित किया है। सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं जैसे आवश्यक वस्तुओं के आयात निर्यात पर नियंत्रण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करना और जरूरतमंद वर्गों को राहत पहुंचाने के प्रयास। लेकिन इन उपायों का प्रभाव हर वर्ग तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है, जो एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।

रोजगार के क्षेत्र में भी मिश्रित तस्वीर सामने आती है। एक ओर स्टार्टअप और नई तकनीकी कंपनियों के माध्यम से अवसरों का विस्तार हुआ है, वहीं पारंपरिक क्षेत्रों में रोजगार की गति उतनी तेज नहीं रही है। सरकार ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन की दिशा में प्रयास किए हैं। इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं, लेकिन बढ़ती युवा आबादी के अनुपात में यह पर्याप्त नहीं कहा जा सकता।

यहाँ सबसे बड़ी आवश्यकता संतुलन की है ऐसा संतुलन जो विकास और सामाजिक सुरक्षा दोनों को साथ लेकर चले। केवल बड़े निवेश और परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ छोटे व्यवसायों, किसानों और असंगठित क्षेत्र को भी मजबूती देना जरूरी है। सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए क्रियान्वयन में और सुधार की आवश्यकता है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार की नीतियां तभी प्रभावी होंगी जब आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन को बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जाए। इसके लिए कृषि क्षेत्र में सुधार, भंडारण सुविधाओं का विस्तार और बाजार व्यवस्था को पारदर्शी बनाना जरूरी है। साथ ही, जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई भी आवश्यक है, ताकि कृत्रिम रूप से बढ़ाई गई कीमतों पर रोक लगाई जा सके। विपक्ष की भूमिका भी इस परिप्रेक्ष्य में अहम है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की समीक्षा और आलोचना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही रचनात्मक सुझाव देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। केवल राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दों को उछालने के बजाय समाधान आधारित राजनीति को बढ़ावा देना समय की मांग है।

~ मौलिक चिंतन ~

समस्या उसके सामने रखो, जिस पर अपने आप से ज्यादा भरोसा रखते हों!

© विनय संकोची

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

भारत के महान् वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फैंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, ह्यआदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।'

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में ह्यलाहौर षड्यंत्र केसह्ल के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थेः-

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान् स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

बिनोद कुमार सिंह

डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल...

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है। विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से ह्यडिजिटल चोक-पॉइंटह्ल बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि ह्लईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगाह्व जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है- व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात् शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

कहीं सूख न जाए आंखों का पानी

आज की अति व्यस्त जीवनशैली और प्रदूषण युक्त वातावरण के कारण आंखों से संबंधित जो सबसे बडी समस्या सामने आई, वह है– आंखों की नमी का कम होना, जिससे आंखों का रूखापन बढता जा रहा है। इसके कारण आंखों की दृष्टि से संबंधित कई और समस्याएं भी जन्म लेती हैं।

दरअसल आंखों की सामान्य दृष्टि के लिए आंखों में नमी का होना जरूरी है। आंखों की बाहरी सतह को स्वस्थ रखने के लिए आंसुओं की पर्याप्त मात्रा, आंखों में नमी की परत और सामान्य रूप से पलकों का झपकना बहुत आवश्यक है।

जरूरी हैं आंसू भी

हर इंसान आंसुओं से दूर रहना चाहता है लेकिन आपको यह जानकर तज्जुब होगा कि अंसू भी हमारी आंखों के लिए बहुत जरूरी हैं। आंसू हमेशा आंखों को नम रखते हैं जो आंसू ग्रंथि से बनते हैं। आंसुओं की आंखों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि इनसे आंखों की सतह नम रहती है। आंसू से ही पलकों के झपकने पर आंखों को आराम मिलता है और उनसे आंखों की पुतलियों का मूवमेंट होने के साथ ही गंदगी भी हटती रहती है। आंसू हमारी आंखों की पुतली को ऑक्सीजन और पोषक तत्व भी पहुंचाते हैं। आंसू में मौजूदएनजाइम आंखों के इनफेक्शन की रोकथाम करते हैं। आंखों से आंसू निकलना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। प्रतिदिन आंखों से आंसू निकलते रहते हैं और दोनों आंखों की पलकों के भीतरी कोने से फ्लश होकर नाक के भीतरी गड्ढे में जाते रहते हैं।

कभी–कभी आंखों में रूखापन आने लगता है, इसे एक्यूट टियर डिफिसिएंसी कहते हैं। इस समस्या में लैक्रीमल ग्लैंड से आंसुओं का रिसाव नहीं होता य उनके सूखने की दर अत्यधिक बढ जाती है। इसे एवोपरेटिव टियर डिफिशिएंसी कहा जाता है। इससे आंसुओं की परत बहुत जल्दी सूखने लगती है। आंखों में मिचमिची, किरकिरी, जलन और चुंधियाहट जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इससे आंखों की ऊपरी पलकों में इनफेक्शन भी हो जाता है।

क्या है वजह

आमतौर पर आंखों के रूखेपन के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

- लंबे समय तक एयरकंडीशंड कमरे में रहना
- कंप्यूटर पर लगातार काम करना
- लगातार कोई भी बारीक काम जैसे–बुनाई, कढाई आदि करना
- अकसर लंबी दूरी की यात्रा करना
- पर्याप्त नींद न लेना
- कैफीन का अत्यधिक सेवन
- गर्भनिरोधक गोलियों का इस्तेमाल
- बदलते मौसम की एलर्जी
- आंखों की लेजर सर्जरी
- अकॉन्टेक्ट लेंस पहनना
- उच्च रक्तचाप, एलर्जी, हॉर्मोन रिप्लेसमेंट और ग्लूकोमा आदि समस्याओं से जुडी और डिप्रेशन दूर करने वाली दवाएं भी आंखों की नमी को प्रभावित करती हैं।

ऐसे करें बचाव

- कंप्यूटर पर काम करते समय या पढाई करते हुए बीच–बीच में थोडी देर के लिए पलकें झपकाना न भूलें
- अगर आप कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करती हैं तो उसे नियमित रूप से अच्छी तरह साफ करें। बेहतर यही होगा कि आप डिस्पोजेबल कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करें
- ज्यादा पानी पिएं
- अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करें, जिनमें एंटी ऑक्सीडेंट तत्व अधिक हों। इसके लिए संतरा, नीबू, टमाटर आदि सेवन करें। आमेगा–3 फैट्स भी आपकी आंखों को इस समस्या से बचाते हैं, जो कि अखरोट, बादाम और फ्लैक्ससीड में पाया जाता है
- धूप में बाहर निकलते समय हमेशा अच्छी क्वालिटी का सनग्लास पहनें
- कैफीन का सेवन कम करें
- धूम्रपान न करें
- तैलीय चीजें कम खाएं

अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपकी आंखें हमेशा स्वस्थ रहेंगी।

संगीत दे दिल को मजबूती

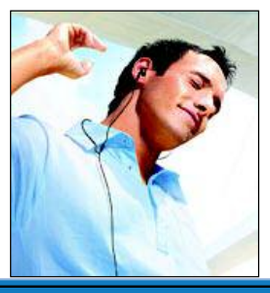

इसमें संदेह नहीं कि मनपसंद संगीत सुनने से दिल को खुशी मिलती है व दिमाग को चैन। हालिया शोध के अध्ययन बताते हैं कि अच्छे संगीत से दिल भी मजबूत होता है। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि अच्छे संगीत को सुनने से हमारी रक्त वाहिनियां फैल जाती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि मनपसंद संगीत सुनने वालों की रक्त वाहिनियां 26 प्रतिशत तक फैल गई।

जबकि नापसंद संगीत सुनने वालों की रक्त वाहिनियां 6 प्रतिशत सिकुड गई। रक्त वाहिनियां फैलने से रक्त संचार ठीक होता है। लिहाजा हार्ट अटैक और स्ट्रोक की आशंका कम हो जाती है। रक्त वाहिनियों में लचीलापन भी बना रहता है। इससे एथ्रोस्कलेरोसिस होने का डर भी कम होता है। एक्सपर्ट का कहना है कि इसका यह मतलब नहीं कि लोग दवा बंद कर संगीत पर आश्रित हो जाएं।

हेल्थ प्लस

एनीमिया दूर करे चुकंदर

आपने अपनी दादी–नानी के मुंह से यह कहते जरूर सुना होगा कि चुकंदर–गाजर खाओगे तो लाल हो जाओगे। दरअसल, चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटमिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून को बढाने और उसे साफ करने का काम भी करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीटेंड तत्व शरीर को रोगों से लडने की क्षमता प्रदान करते हैं। यह नैचरल शुगर का स्त्रोत होता है। इसमें सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, क्लोरीन, आयोडीन, आयरन और अन्य महत्वपूर्ण विटमिन पाए जाते हैं।

चुकंदर में गुर्दे (किडनी) और पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) को साफ करने के प्राकृतिक गुण हैं। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर को प्रतिदिन पोषण प्रदान करने में मदद करता है तो वहीं क्लोरीन लिवर और किडनी को साफ करने में मदद करता है। प्राचीन समय में यूरोप में कैंसर के इलाज के लिए चुकंदर का उपयोग किया जाता था। चुकंदर के अन्य गुणों के बारे में जानकारी दे रही हैं डाइटीशियन सरिता डिमरी।

- यह पाचन संबंधी समस्याओं जैसे उल्टी, दस्त, चक्कर और पीलिया में सकारात्मक रूप से मदद करता है।
- चुकंदर–गाजर का जूस पीने से एनीमिया दूर हो जाता है। इसमें आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो खून की कमी को पूरा करने में मदद करता है।
- चुकंदर का जूस हाइपरटेंशन और हृदय संबंधी समस्याओं से दूर रखता है। खासतौर पर स्त्रियों के लिए यह बहुत लाभकारी होता है। पीरियड्स से संबंधित कई समस्याओं में इसका सेवन लाभप्रद होता है।
- इसे कई तरह से खाया जा सकता है। कच्चा सैलेड के रूप में, उबालकर, जूस बनाकर या सब्जी बनाकर।
- चुकंदर में बेटेन नामक तत्व पाया जाता है। दरअसल, आंत और पेट को साफ करने के लिए शरीर को बेटेन की जरूरत होती है और चुकंदर में मौजूद यह तत्व उसकी आपूर्ति करता है।
- शोध से पता चलता है कि यह कैंसर में लाभदायक होता है।
- चुकंदर और उसके पत्ते फोलेट का अच्छा स्त्रोत होते हैं, जो उच्च रक्त चाप और अल्जाइमर की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं।
- जोडों का दर्द होने पर नियमित रूप से चुकंदर खाने या उसका रस पीने से काफी हद तक लाभ होता है।

बच्चों में बढता डायबिटीज

आजकल महानगरों की जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण बच्चों को भी कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड रहा है, जो अब तक सिर्फ बडों में ही देखने को मिलती थीं। जुवेनाइल डायबिटीज भी एक ऐसी ही समस्या है, जो बच्चों की सेहत को प्रभावित करती है।

क्या है डायबिटीज

शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है, जो हमें शुगर से मिलती है। बल्कि यूं कहा जा सकता है कि शुगर शरीर के लिए ईधन का काम करता है। जिस तरह गाडी को चलाने के लिए पेट्राल की जरूरत होती है उसी तरह शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए शुगर की जरूरत होती है। पेट में मौजूद पैंक्रियाज नामक ग्लैंड भोजन को पचाने का काम करता है। इससे इंसुलिन नामक हार्मोन का स्त्राव होता है और यह हार्मोन शुगर को ग्लूकोज में बदल कर उसे कोशिकाओं तक पहुंचाने का काम करता है। जिससे शरीर को काम करने की ऊर्जा मिलती है। लेकिन कभी–कभी जब इंसुलिन बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है या यह बन तो रहा होता है लेकिन कोशिकाओं तक ग्लूकोज पहुंचाने का काम नहीं कर पाता, तब रक्त में शर्करा की मात्रा बढने से डायबिटीज की समस्या हो जाती है।

डायबिटीज के प्रकार

- पहले तरह की डायबिटीज को ए टाइप या इंसुलिन पर आधारित डायबिटीज कहा जाता है। ज्यादातर बच्चों में इसी डायबिटीज के लक्षण देखने को मिलते हैं। यह डायबिटीज बच्चों के शरीर में मेटाबॉलिज्म संबंधी गडबडियों और शरीर में इंसुलिन न बनने के कारण होता है। लेकिन कभी–कभी जब शरीर में इंसुलिन बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है या इंसुलिन का बनना बंद हो जाता है। कुछ खास परिस्थितियों में शरीर में इंसुलिन तो बनता है लेकिन वह सही ढंग से अपना काम नहीं कर पाता। इससे बच्चे को डाइबिटीज की समस्या हो जाती है।
- दूसरे प्रकार की डायबिटीज ज्यादातर वयस्कों में पाई जाती है। इसमें शरीर में इंसुलिन बनता तो है लेकिन यह कोशिकाओं तक पहुंच कर शुगर को ग्लूकोज में बदलने का काम नहीं कर पाता।

क्या हैं लक्षण

- ज्यादा प्यास लगना
- बार–बार टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी आना
- हमेशा कमजोरी और थकान महसूस होना
- वजन घटना
- आंखों की दृष्टि का धुंधला होना
- पैरों के तलवे में दर्द

उपचार

- अगर किसी बच्चे में ऐसे लक्षण दिखाई दें या गर्भावस्था के दौरान मां को डायबिटीज की समस्या रही हो तो बिना देर किए बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लेनी चाहिए। साथ ही ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट, फॉस्टिंग ब्लड शुगर और ग्लायको हीमोग्लोबिन टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।
- अगर जांच की रिपोर्ट पॉजिटिव आए तो इसके बाद बच्चे को नियमित रूप से दवाएं देनी चाहिए और समय–समय पर डॉक्टर से सलाह भी लेनी चाहिए।
- इसके अलावा बच्चे को कोल्ड ड्रिंक, वेफर्स, जंक फूड, चॉकलेट, मिठाइयों, चावल और आलू से बनी शुगर की अधिक मात्रा वाली चीजों के सेवन से बचाना चाहिए।
- बच्चे को संतुलित और पौष्टिक आहार दें और उसे ज्यादा देर तक खाली पेट न रहने दें।
- उसे प्रतिदिन खेलने–कूदने और एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित करें।

अगर इन बातों का ध्यान रखा जाए तो डायबिटीज से पीडित बच्चे भी सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

मसाला ही नहीं, औषधि भी है

तेजपत्ता (तेजपत्र) ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। आमतौर पर इसका प्रयोग सब्जी में मसाले के रूप में किया जाता है परन्तु यह एक अत्यन्त गुणकारी औषधि भी है। आइए, इसके औषधीय गुणों को जाने:

- इसके प्रयोग से गठिया रोग में आराम मिलता है।
- यह उदरशूल एवं अपच संबंधी पेट के रोगों में भी लाभ पहुंचता है। इसके सेवन से भूख खुल कर लगती है।
- इसके सेवन से मूत्रविकार संबंधी तकलीफ में फायदा होता है।
- सर्दी या गर्मी किसी भी कारण से सिरदर्द हो तो तेजपत्ता डंठल सहित पीस कर हलका गर्म करके मस्तक पर लेप करें।
- मुंह, नाक, मल–मूत्र या किसी भी रास्ते से रक्त निकलने पर पानी के एक गिलास में एक चम्मच पिसा हुआ तेजपत्ता चूर्ण मिला कर सेवन करने से रक्तस्त्राव बंद हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह–सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक–3–5–7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक–5–6–9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक–2–5–7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश–प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक–5–6–7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन–भर रहेगा। यश–प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक–4–6–7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक–6–8–9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा–गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद–प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक–6–7–8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़–भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक–5–6–8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान–सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक–5–6–7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक–5–8–9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक–3–7–9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे–आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक–1–6–9

काकुरो पहेली - 3836

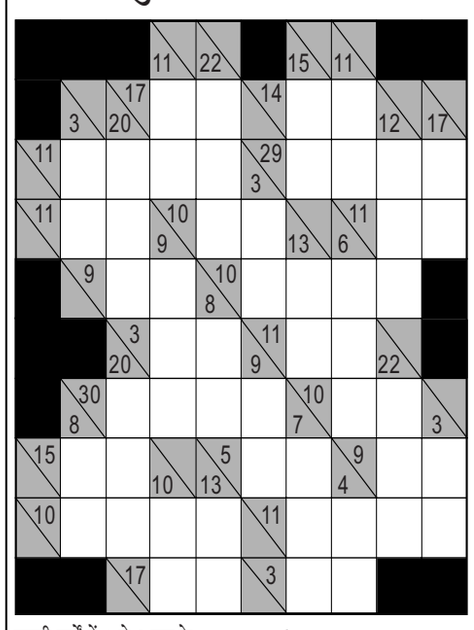

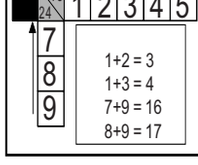

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3835 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा–आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति–पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती–किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक–इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली - 3836

बायें से दायें:–

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म–३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म–२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म–३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था–२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म–३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म–२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी–३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी–३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म–२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म–५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म–२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म–३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म–२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म–४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म–४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी–२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म–३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है–४

ऊपर से नीचे:–

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक–२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है–२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं–३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म–३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म–३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म–२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी–२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म–३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म–३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म–२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म–३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म–२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म–४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म–४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है–३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म–३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी–२

फिल्म वर्ग पहेली - 3835

सूडोकु -3836

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3835 का हल

शब्द पहेली - 3836

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य–5
4.प्रलय, वज्रपात–4
7.परिमाण, माप–2
8.प्लेट,तश्तरी–3
9.भीगा हुआ–2
10.वेश्या, गणिका–4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ–2
13.अपवित्र (उर्दू–3)
14.दान करने वाला–2
15.आंचल–3
17.पंख–2
19.चाहे जो भी हो –5
22.अनूठापन,विचित्रता–5
25.उम्मीद,आस–2
26.अनाशवान,अक्षय–3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म–2
29.बंदर, मर्कट–3
30.सम्मान, आदर–2
32.करामात,करिश्मा–4
34.नवीन,नव–2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म–3
37.शारीरिक ऊंचाई–2
38.भाग्य,लक–4
39.रावण,दशानन–5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या–2
2.कॉफी–3
3.तरफदारी करनेवाला–5
4.जन जाति, झुंड–3
5.वोट–2
6.बढ़ई,खाती–4
7.जो मुनासिब न हो–5
10.भाग्य (उर्दू–4)
12.प्रतिज्ञा,वचन–2
16.राजा,राजन–3
17.क्षण–2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम–2
20.रनिवास (उर्दू–3)
21.नुकसान,घाटा–2
22.रजनी, रात्रि–2
23.अनुपम,बेजोड़–4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो–5
25.आतंक फैलानेवाला–5
26.धरोहर,थाती–4
27.लक्ष्मी–2
31.निगाह,दृष्टि–3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष–3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर–2
37.टैक्स, हाथ–2

शब्द पहेली -3835 का हल

न्यू एटीएम रूल: एचडीएफसी से लेकर पीएनबी तक, 1 अप्रैल से बदल जाएंगे बैंकों में एटीएम से जुड़े नियम

आइए जानते हैं कि कौन-कौन से बैंकों ने नियमों में बदलाव किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 अप्रैल 2026 से एचडीएफसी सहित कई बैंकों के एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव होने जा रहा है। जिसकी वजह से पैसा निकासी की लिमिट, फीस सहित बहुत कुछ बदल जाएगा। आइए जानते हैं कि कौन-कौन से बैंकों ने नियमों में बदलाव किया है।

1- **एचडीएफसी बैंक 1 अप्रैल से एटीएम के नियमों में क्या बदलाव करने जा रहा?:** इस प्राइवेट बैंक ने कहा है कि यूपीआई आधारित एटीएम कैश विथड्रॉल को अब महीने के फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन लिमिट में ही जोड़ा जाएगा। यानी यूपीआई के जरिए एटीएम से पैसा निकालने को अब एटीएम की ट्रांजैक्शन लिमिट के साथ जोड़ा जाएगा। इस लिमिट को क्रॉस करने के बाद ग्राहकों हर एक एटीएम ट्रांजैक्शन पर फीस देनी होगी। नया नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। बैंक ने बताया है कि लिमिट क्रॉस करने के बाद हर एक ट्रांजैक्शन 23 रुपये और टैक्स का भुगतान ग्राहकों को करना होगा। बता दें, एचडीएफसी ने मेट्रो शहरों में फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन की लिमिट को तीन और नॉन मेट्रो शहरों में 5 ट्रांजैक्शन फ्री रखा है।

2- **पंजाब नेशनल बैंक ने लिमिट को घटाया:** इस सरकारी बैंक ने एटीएम से निकाले जाने वाले कैश की लिमिटेड में बदलाव किया है। पीएनबी के स्टेटमेंट के अनुसार के नया नियम 1 अप्रैल से लागू होगा। बैंक के ग्राहक 1 अप्रैल से एटीएम से एक दिन में 1 लाख रुपये की जगह 50,000 रुपये निकाल पाएंगे। यह नियम सिलेक्टेड डेबिट कार्ड पर प्रभावी रहेगा। वहीं, बैंक के रुपे सिलेक्ट

डेबिट कार्ड, पीएनबी रुपे सिलेक्ट नियो, पीएनबी रुपे सिलेक्ट एक्सलस, विजा सिग्नेचर डेबिट कार्ड और मास्टर डेबिट कार्ड बिजनेस डेबिट कार्ड के डेबिट लिमिट को घटाकर 75000 रुपये कर दिया गया है। पहले इन कार्ड्स से 150000 रुपये तक निकाले जा सकते थे।

3- **बंधन बैंक:** इस बैंक ने भी डेबिट कार्ड से होने वाले फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट को घटा दिया है। अब ग्राहक बंधन बैंक के एटीएम ने 5 ही फ्री फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन कर पाएंगे। वहीं, अन्य बैंकों के एटीएम से महीने में सिर्फ तीन फ्री ट्रांजैक्शन ही किए जा सकेंगे।

4- **जियो पेमेंट बैंक शुरू कर रहा नई सुविधा:** जियो पेमेंट बैंक ने क्यूआर आधारित कैश निकासी की सुविधा को शुरू किया है। इसके जरिए ग्राहक यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन करके किसी तय बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट के पास यूपीआई एप्लिकेशन के जरिए ट्रांजैक्शन को ऑथराइज करके पैसा निकाल सकते हैं।

हफ्ते भर में 11 हजार सस्ता हुआ सोना, घर बैठे ऐसे खरीदें आनलाइन गोल्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतें कुछ समय पहले तक पीक पर थीं, लेकिन ईरान-इराक से बीच चल रहे युद्ध के कारण इसकी कीमतों में निरमी बनी हुई है। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। सोना हफ्ते भर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था। कई लोग इसे खरीदारी और निवेश करने के लिए सही समय मान रहे हैं। अगर आप भी गोल्ड खरीदने या उसमें निवेश करने का प्लान कर रहे हैं और चाहते हैं कि कहीं जाना न पड़े, घर बैठे ही सारा काम हो जाए, तो यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिनसे आप घर बैठे ऑनलाइन गोल्ड खरीद सकते हैं। दरअसल, ऑनलाइन गोल्ड खरीदने के कई फायदे भी हैं, जैसे कि मेकिंग चार्ज नहीं देना पड़ता और आपको एकदम खरा सोना यानी 99.99 प्रतिशत प्योर गोल्ड मिल जाता है, जिसे आप जब चाहे बेच सकते हैं।

यह ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जो निवेशक को डिजिटल रूप में सोना खरीदने, बेचने और होल्ड करने की अनुमति देता है। जब कोई डिजिटल गोल्ड खरीदता है तो उसके बराबर की फिजिकल गोल्ड की मात्रा विक्रेता कंपनी की ओर से सुरक्षित रखी जाती है। देश में कई प्रमुख प्लेटफॉर्म हैं, जो डिजिटल गोल्ड की सुविधा प्रदान करते हैं। इनमें एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और ऑगमॉन्ट शामिल हैं। अन्य डिजिटल वॉलेट, फिनटेक ऐप और स्टॉक ब्रोकिंग कंपनियां भी इन्हीं के माध्यम से डिजिटल गोल्ड उपलब्ध कराती हैं। आप गूगल पे, फोन पे और पेटीएम के जरिए भी गोल्ड खरीद सकते हैं। कोई भी फैसला आंख बंद करके न लें। बेहतर होगा कि केवल भरोसेमंद प्लेटफॉर्म से खरीदें। शर्तें और शुल्क ध्यान से पढ़ें। सर्टिफिकेट और शुद्धता जांचें। स्टोरेज के नियम समझें और भुगतान करने के लिए सुरक्षित तरीके का ही इस्तेमाल करें। कई मोबाइल ऐप छोटे निवेशकों को 100 से शुरू होने वाले सोने के निवेश के नाम पर लुभा रहे हैं। सेबी ने स्पष्ट किया कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद, सेबी द्वारा नियंत्रित गोल्ड स्कीम्स से पूरी तरह अलग हैं। ये न तो किसी सिक्योरिटी के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमॉडिटी डेरिवेटिव के तहत आते हैं। भारतीय बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को सतर्क किया है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड को सोने में निवेश का आसान विकल्प बताकर बढ़ावा दे रहे हैं।

ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार, बिटकॉइन 68,000 से नीचे लुढ़की

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में

हाहाकार मचा हुआ है और ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू हो गई। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज की खाड़ी को नहीं खोला तो अमेरिका उसके पावर प्लांट तबाह कर देगा। इससे पश्चिम एशिया में 23 दिन से चल रहे युद्ध को और भीषण होने की आशंका बढ़ गई है और दुनियाभर में निवेशकों के हाथपांव फूल गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत 68,000 डॉलर से नीचे आ गई और पूरे क्रिप्टो मार्केट में भूचाल आ गया। ट्रंप ने महज 24 घंटे में ईरान मामले में यू-टर्न लिया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह ईरान में लड़ाई खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन उनके आज के बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है। इससे पूरी दुनिया में निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि ट्रंप के बयान के महज 60 मिनट के भीतर 240 मिलियन डॉलर की लेवर्ड क्रिप्टो पोजीशन लिक्विडेट हो गई। इससे बिटकॉइन 68,000 से नीचे आ गई। इस हफ्ते की शुरुआत में यानी 18 मार्च को बिटकॉइन 76,000 के ऊपर चली गई थी जो उसका छह हफ्ते का हाई लेवल था। मगर पिछले तीन दिन से इसमें गिरावट आई है। बिटकॉइन और क्रिप्टो मार्केट तेल की बढ़ती कीमत और पश्चिम एशिया में बढ़ रहे संकट का असर दिख रहा है। माना जा रहा है कि अगर ईरान युद्ध जल्दी समाप्त नहीं हुआ तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

जेरोधा के को-फाउंडर नितिन कामथ ने एलपीजी समस्या पर दी सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में एलपीजी की किल्लत के बीच जेरोधा के को फाउंडर और सीईओ

नितिन कामथ ने कहा है कि देश को इस संकट को मौके में बदलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकल स्तर पर बायोगैस का उत्पादन करने की कोशिश करनी चाहिए। नितिन कामथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखतें, 'जो कुछ खाड़ी के देशों में हो रहा है, वह दर्शाता है कि भारत अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक क्षेत्र पर कितना निर्भर है। हम ज्यादातर कच्चा तेल और नेचुरल गैस बाहर से आयात करते हैं।' कामथ आगे लिखते हैं, 'जैसा कि कहावत है कि अच्छे संकट को कभी बेकार नहीं जाने देना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम बायोगैस जैसे विकल्पों की ओर ध्यान दें। इस हम स्थानीय स्तर पर बना सकते है। पर्यावरण के लिहाज से भी यह काफी अच्छा है।' कामथ जलवायु, डीपटेक, फिनटेक, स्वास्थ्य और मीडिया के लिए बने 'रेनमैटर इंडिया फंड' के फाउंडर और समर्थक भी माने जाते हैं। यह फंड बायोगैस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों की मदद करता है। युद्ध की वजह से गैस की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। जिसकी वजह से सरकार को नियमों में सख्ती करनी पड़ी। रेस्त्रां से लेकर होटल तक गैस की सप्लाई प्रभावित हुई। पिछले दिनों दो एलपीजी शिप भारत के पोर्ट पर पहुंचे हैं। लेकिन यह भारत की जरूरत के हिसाब से नाकाफी है। केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का निर्देश दिया है। बता दें, विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार अभी खाड़ी के देशों में भारत के 22 जहाज फंसे हुए हैं।

हॉस्टल की पतली दाल से आया आइडिया, काले कोट की जगह पकड़ी करछी, अब करोड़ों का कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। मिरनल सेठी सिरसा (हरियाणा) के मंडी

डबवाली से ताल्लुक रखते हैं। वकालत की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने काला कोट पहनने के बजाय करछी उठाने का फैसला किया। उन्होंने 2020 में 'डॉ डाइट' नाम का स्टार्टअप शुरू किया था। यह किफायती हाई-प्रोटीन वाले खाने की पेशकश करता है। इसका आइडिया उन्हें पढ़ाई के दौरान हॉस्टल की पतली दाल और मैदे वाली रोटियों से आया। तब उन्होंने अनहेल्दी खाने से तंग आकर 250 रुपये के इंडक्शन पर खुद खाना बनाना शुरू किया था। उन्हें क्या पता था कि एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद यही उनकी किस्मत के ताले खोल देगा। अपने क्लाउड किचन वेंचर से आज वह 10 करोड़ से अधिक का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां मिरनल सेठी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मिरनल सेठी हरियाणा के सिरसा जिले में मंडी डबवाली के एक साधारण परिवार से आते हैं। 2020 में चंडीगढ़ से उन्होंने एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में इंटर्नशिप के दौरान उन्हें अहसास हुआ कि कानून की दुनिया उनके लिए नहीं है। फिटनेस के प्रति उनके जुनून और हॉस्टल में मिलने वाले अनहेल्दी खाने ने उन्हें कुछ अलग करने पर मजबूर किया। उन्होंने अपनी सेविंग से 3 लाख रुपये लगाकर चंडीगढ़ में एक छोटे से कमरे से 'डॉ डाइट' की नींव रखी। मिरनल सेठी शुरुआत में खुद साइकिल पर खाना डिलीवरी करते थे। लेकिन, मार्च 2020 के लॉकडाउन ने सब कुछ ठप कर दिया। जब वह महीनों बाद वापस लौटे तो चूहों ने उनकी दुकान तहस-नहस कर दी थी। उस वक्त वह पूरी तरह टूट गए थे।

डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ ने टाइप 2 डायबिटीज के लिए भारत का पहला डीसीजीआई-स्वीकृत सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन 'ओबेडा' लॉन्च किया

हैदराबाद, एजेंसी। डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ लिमिटेड (बीएसई= 500124, एनएसई= डीआररेड्डी, एनवाईएसई= आरडीवाई, एनएसईआईएफएससी= डीआररेड्डी अपनी सहायक कंपनियों सहित, जिन्हें सामूहिक रूप से डॉ. रेड्डीज़ कहा जाता है), एक वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी, ने आज 'ओबेडा0' ब्रांड नाम के तहत अपने इंजेक्टेबल सेमाग्लूटाइड के लॉन्च की घोषणा की। यह भारत में टाइप 2 डायबिटीज के प्रबंधन के लिए उन्नत जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट आधारित थेरेपी तक पहुंच का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. रेड्डीज़ जेनरिक सेमाग्लूटाइड के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से मंजूरी प्राप्त करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। यह लॉन्च पेटेंट समाप्ति के साथ ही इस सेगमेंट में कंपनी की 'डे-1' एंट्री को रेखांकित करता है और भारत में मरीजों की अपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उसकी तत्परता को दर्शाता है। आईसीएमआर-इंडियाब अध्ययन के अनुसार, भारत दुनिया में डायबिटीज के सबसे बड़े बोझ वाले देशों में से एक है, जहां 10.1 करोड़ से अधिक वयस्क इस बीमारी से प्रभावित हैं। अध्ययन के अनुसार, डायबिटीज की व्यापकता 11.4त्न है, जबकि लगभग हर 10 में से 4 वयस्क पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके अलावा, लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक हैं, जिससे उनमें इस बीमारी के विकसित होने का उच्च जोखिम है। ऐसे परिदृश्य में, सेमाग्लूटाइड, जो एक जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट है, व्यापक उपचार योजना के हिस्से के रूप में उपयोग किए जाने पर ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार और वजन प्रबंधन में सहायता करने का वैश्विक स्तर पर सिद्ध रिकॉर्ड रखता है। 312 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए किए गए हेड-टू-हेड फेज थर्ड क्लिनिकल अध्ययन में, डॉ. रेड्डीज़ के ओबेडा0 ने प्रभावकारिता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं दिखाई (नॉन-इन्फीरियर) और इसकी सुरक्षा प्रोफाइल ओरिजिनेटर दवा के समान रही। इसने ग्लाइसेमिक कमी में समान परिणाम दिखाए। इसके अतिरिक्त, फास्टिंग ग्लूकोज नियंत्रण, भोजन के बाद (पोस्ट-प्रांडियल) ग्लूकोज नियंत्रण, तथा अध्ययन के अंत में चिकित्सीय ग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया में भी समान परिणाम देखे गए। किसी भी एंटी-ड्रग एंटीबॉडी का पता नहीं चला और इसकी इम्यूनोजेनेसिटी प्रोफाइल भी ओरिजिनेटर दवा के समान रही। एपीआइ विकास एवं निर्माण, साथ ही फॉर्मुलेशन विकास पूरी तरह इन-हाउस किए जाने के साथ, ओबेडा0 जटिल उत्पाद विकास और पेप्टाइड साइंस में डॉ. रेड्डीज़ की मजबूत क्षमताओं को दर्शाता है। यह कंपनी की पेप्टाइड तकनीक में एक दशक से अधिक की विशेषज्ञता और उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा भारत की बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है।

जीएलपी-1 थेरेपी के लिए अपनी भविष्य की योजनाओं के तहत, कंपनी पूरी तरह इंटीग्रेटेड एपीआइ और फॉर्मुलेशन दृष्टिकोण अपनाने पर कार्य करेगी, जिसमें विकास और निर्माण दोनों इन-हाउस शामिल होंगे। डॉ. रेड्डीज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरेज़ इस्राएली ने कहा, आज का यह लॉन्च हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत और वैश्विक बाजारों में महत्वपूर्ण उपचार क्षेत्रों में हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जीएलपी-1 थेरेपी में हमारी एंट्री जटिल उत्पाद विकास और पेप्टाइड साइंस में हमारी क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती है। यह नवाचार और पहुंच को साथ लाकर स्वास्थ्य सेवा में एक विश्वसनीय भागीदार बनने के हमारे दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिससे उन्नत डायबिटीज उपचार न केवल उपलब्ध हों, बल्कि किफायती भी हों। करने का लक्ष्य रखते हैं और 'वन प्रोडक्ट, वन क्वालिटी' दृष्टिकोण के माध्यम से सभी बाजारों में समान उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एलपीजी सिलेंडर के दाम में हुआ है बदलाव?

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे भारत के रसोई गैस बाजार पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाला व्यापार लगभग ठप पड़ गया है, जिससे सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत अपनी घरेलू जरूरतों का करीब 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, और इसमें से लगभग 90 प्रतिशत सप्लाई मध्य पूर्व से इसी रास्ते होकर आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

फरवरी से चल रहा तनाव का माहौल: तनाव की शुरुआत तब हुई जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए। इसके बाद पूरे क्षेत्र में संघर्ष बढ़ गया और तेल व गैस टैंकरों ने सुरक्षा कारणों से इस अहम समुद्री रास्ते से गुजरना लगभग बंद कर दिया।

भारत में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत

इस संकट के चलते भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। मार्च की शुरुआत में घरेलू 14.2 किलो सिलेंडर की कीमत 50 बढ़ाई गई, जबकि 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम 144 तक बढ़ा दिए गए। हालांकि इसके बाद अभी तक कोई नई बढ़ोतरी नहीं की गई है। सरकार का कहना है कि देश में फिलहाल पर्याप्त भंडार है और घबराने की जरूरत नहीं है। सप्लाई की कमी को देखते हुए सरकार ने एलपीजी को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत लाकर इसकी वितरण व्यवस्था को नियंत्रित कर दिया है। नई रणनीति के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक

निवेशकों के लिए मौका! 24 मार्च को खुल रहा पावरिका आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पावरिका आईपीओ आपके लिए एक दिलचस्प मौका हो सकता है। कंपनी का 1,100 करोड़ का आईपीओ 24 मार्च से 27 मार्च 2026 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए बोली 23 मार्च 2026 को लगेगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 375 से 395 प्रति शेयर तय किया गया है, यानी निवेशकों को इसी रेंज में बोली लगानी होगी। खास बात ये है कि यह आईपीओ दो हिस्सों में बंटा है। इसमें 700 करोड़ के नए शेयर और 400 करोड़ ऑफर फॉर सेल है, जिसमें प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

अगर आप इसमें निवेश करना चाहते हैं, तो आपको कम से कम एक लॉट (37 शेयर) खरीदने होंगे, यानी

न्यूनतम निवेश लगभग 14,615 (ऊपरी प्राइस बैंड पर) के आसपास होगा। आईपीओ में 50 प्रतिशत हिस्सा क्यूआइबी (बड़े निवेशकों), 35 प्रतिशत रिटेल निवेशकों और 15 प्रतिशत एनआइआइ के लिए रिजर्व रखा गया है।

कंपनी इस आईपीओ से जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल अपने कर्ज को चुकाने और बिजनेस विस्तार जैसे सामान्य कॉर्पोरेट कामों में करेगी। लिस्टिंग के बाद कंपनी को ब्रांड वैल्यू बढ़ाने और नए निवेशकों को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी।

बिजनेस की बात करें तो पावरिका पावर सेक्टर में एक जानी-मानी कंपनी है, जो डीजल जेनरेटर सेट्स और पावर सॉल्यूशंस देती है। यह कमिंस इंडिया की ऑथराइज्ड मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर भी है और पिछले 40 सालों से इस कंपनी के साथ काम कर रही है। पावरिका के जेनरेटर 7.5 केवीए से लेकर 10,000 केवीए तक की क्षमता में आते हैं, जो छोटे से बड़े इंडस्ट्रियल कामों तक इस्तेमाल होते हैं। आईपीओ की टाइमलाइन भी ध्यान रखने लायक है। इसका अलॉटमेंट 30 मार्च 2026 को तय होगा, जबकि 1 अप्रैल 2026 को रिफंड और शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट हो जाएंगे।

एफडी पर जानें कहां मिल रहा है 8.25 प्रतिशत तक ब्याज, एसबीआई और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया काफी पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस समय भारी उठा-पटक जारी है। वहीं, सोने और चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। इस अनिश्चितता के दौर में फिक्सड डिपॉजिट एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आइए जानते हैं कि एफडी में कहां सबसे शानदार रिटर्न मिल रहा है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 से 5 साल तक की एफडी पर 8.25 प्रतिशत तक का सालाना ब्याज दे रहा है। वहीं, श्वस्न स्मॉल फाइनेंस बैंक की तरफ से 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 8 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। उत्कर्ष 1 से 5 साल तक के फिक्सड डिपॉजिट करने पर अपने ग्राहकों को 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। एसबीएल बैंक ऑफ इंडिया ने 1 साल से 5 साल तक के एफडी पर 7.85 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। वहीं, केनारा बैंक की तरफ से एक साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 रुपये प्रतिशत तक ब्याज

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की तरफ से एक साल से 5 साल तक के फिक्सड डिपॉजिट पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा।

पंजाब नेशनल बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। दिया जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने एफडी ग्राहकों को 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.40 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज अपने ग्राहकों को दे रहा है।

बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा

पटना (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने रविवार को कहा कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं और उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचा बनाने के लिए राज्य सरकार की तारीफ की। प्रदेश सरकार और स्पोर्टस स्टार द्वारा आयोजित बिहार खेल कांक्लेव से इतर पत्रकारों से बातचीत में बिंद्रा ने कहा, 'बिहार में जिस तरह खेलों का विकास हो रहा है, वह काबिले तारीफ है। बिहार की खेलमंत्री (श्रेयसी सिंह) निशानेबाजी में मेरी साथी थी। वह खेलों के विकास के लिये प्रतिबद्ध है।'

बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले पहले भारतीय हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं। मैं प्रदेश में और देश में खेलों के विकास के सफर के लिए सभी को शुभकामना देता हूं।'

केंद्रीय खेल और युवा कार्य राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा, 'पिछले पांच छह साल में बिहार में खेलों के क्षेत्र में हुआ विकास कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। प्रदेश सरकार ने मनरेगा योजना की मदद से ग्रामीण इलाकों में छोटे मैदान और स्टेडियम बनाए। उससे सीखते हुए हमने वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत देश भर में उसी तर्ज पर स्टेडियम और छोटे मैदान बनाने के लिए बजटीय आवंटन किया है।'

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को खेलों के विकास के लिये मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खेल राज्य का विषय है और केंद्र सक्रिय रूप से पूरा साथ दे रहा है। खेलो भारत मिशन के तहत प्रदेशों से मशविरा करके खेलों के पूरे इकोसिस्टम में बदलाव किया जा रहा है।'

आईपीएल में 339 रन बनाते ही 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बना जायंगे विराट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसा रिकार्ड अपने नाम करने जा रहे है जहां तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। इस सत्र में विराट कोहली 339 रन बनते ही आईपीएल लीग में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन जायेंगे।

दो बार ऑरेंज कैप विजेता विराट कोहली के लिए ये मुश्किल भी नहीं है। वह हमेशा ही आईपीएल में 500 से अधिक रन बनाते आये हैं। ऐसे में वह इस बार लीग के इतिहास में 9000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सत्र में औसत 53 से ऊपर रहा है विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे।

कोहली के पिछली बार 2025 में किए गए प्रदर्शन की आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका रही है। साल 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267 मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है.वहीं दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7046 रन बनाए हैं। वहीं शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं। बटलर के पास इस सत्र में शतकों के मामले में कोहली को पीछे करने का अवसर होगा।

वार्न सहित ये क्रिकेटर अपने करियर में नहीं बना पाये कोई शतक

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न एक गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे पर अपने करियर में वह एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये। एक बार वह शतक के बेहद करीब आ गये थे पर लगा नहीं पाये और 99 रनों पर आउट हो गये। वार्न सहित पांच क्रिकेटर ऐसे हैं जो अपने करियर में काफी रन बनाने के बाद भी शतक नहीं लगा पाये। इनमें श्रीलंका के निराशन डिकवेला, मिचेल स्टार्क, न्यूजीलैंड के टिम साउदी और भारत के चेतन चौहान है।

वॉर्न को दुनिया के महानतम लेग-स्पिनर के रूप में जाना जाता है पर वह निचले क्रम के एक बेहद उपयोगी और आक्रामक बल्लेबाज भी रहे थे। इस बात का पता इससे चलता है कि वॉर्न ने अपने करियर में 145 टेस्ट मैचों में 12 अर्धशतक लगाकर 3154 रन बनाये हैं हालांकि वह एक बार भी शतक पूरा नहीं कर पाये। विश्व का कोई दूसरा स्पिनर इतने रन नहीं बना पाया है। वॉर्न साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट में शतक के बेहद करीब पहुंचे थे। तब वॉर्न ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बना लिए थे पर डेनियल विटोरी की गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच हो गये थे। बाद में रिप्ले में देखा गया कि वह गेंद 'नो-बॉल' थी, लेकिन उस समय तकनीक अच्छी न होने से वॉर्न को रिव्यू नहीं मिला। वॉर्न उस पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आठवें नंबर पर खेली वॉर्न की इस पारी से टीम हार से बच गयी थी।

टेस्ट में बिना शतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं। डिकवेला ने अपने करियर में 2757 रन बनाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने - 2478 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 99 रन रहा है। वहीं न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 2245 जबकि भारत के चेतन चौहान के नाम 2084 रन हैं। वहीं गेंदबाजी में कई ऐसे रिकॉर्ड हैं, जिन्हें तोड़ना आज के दौर में लगभग नामुमकिन लगता है। वॉर्न के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 708 विकेट हैं। मुथैया मुरलीधरन (800) के बाद वे दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वे 700 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज थे। साल 2005 में वॉर्न ने टेस्ट क्रिकेट में एक साल में 96 विकेट लिए थे. यह आज भी एक कैलेंडर वर्ष में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। टेस्ट और वनडे मिलाकर वॉर्न के नाम कुल 1001 विकेट हैं।

केकेआर के तेज गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए

-मधवाल को मिल सकता है अवसर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं।

इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे।

केकेार का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। मधवाल पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बना चुके हैं। खासकर 2023 के एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। विकेट लेने की क्षमता इस गेंदबाज को विशेष बनाती है।

वहीं इसके अलावा केकेआर युवा आरएस अंबरीश को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रही है। अंबरीश हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर अपनी क्षमता साबित की थी। टीम ने पहले ही लीग से हटाये गये बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान की जगह जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुज़रबानी को शामिल किया था।

लिवरपूल और चेल्सी पर चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा

लिवरपूल । लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है।

लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया। लिवरपूल लीग में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वह चेल्सी से एक अंक और एक स्थान आगे है। प्रीमियर लीग में शीर्ष पांच में रहने वाली टीम ही अगले सत्र के लिए चैंपियंस लीग में जगह बनाएंगी।

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, 'चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया।'

इस बल्लेबाज ने कहा, ' 7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं।' श्रेयस को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लगी थी।

अय्यर ने इस साल की शुरुआत में वापसी की थी, इससे उन्हें आईपीएल की तैयारी करने का अवसर मिल गया। इस खिलाड़ी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को ट्रॉफी जिताना रहेगा।

मियामी ओपन : जैनिक सिनर ने दामिर जुमहुर को हराया, जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी। जैनिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मियामी ओपन के पहले राउंड के मुकाबले नें दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने दिग्गज नोवाक जोकोविच के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सिनर मैच में अपनी डिलीवरी से सिर्फ आठ अंक पीछे रह गए। नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में अपने खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीत नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर जोकोविच से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था। जीत के बाद सिनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे रवैये के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।' सिनर मियामी में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में 2024 में वह चैंपियन रहे थे। इटैलियन के पास साउथ फ्लोरिडा में डिफेंड करने के लिए कोई एटीपी रैंकिंग पॉइंट नहीं है, जिससे उन्हें विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के साथ अपनी लड़ाई में और मोमेंटम बनाने का मौका मिल रहा है। इंडियन वेल्स में 2026 के लिए अपनी पहली ट्रॉफी उठाने के बाद, इटैलियन खिलाड़ी 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अलेक्जेंडर शेवचेंको ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी करते हुए जीत हासिल करके बेन शेल्टन को मियामी ओपन से बाहर कर दिया। अपने 6-7(3), 7-6(3), 6-3 के उलटफेर के साथ, कजाकिस्तानी ने तीसरी टॉप-10 जीत हासिल की और अपने होम स्टेट फ्लोरिडा में सबसे बड़े टूर्नामेंट में शेल्टन को 1-4 पर गिरा दिया।

आईपीएल के एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है हर्षल और ब्रेवो के नाम

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन इस माह के अंत में शुरु हो रहा है। ऐसे में अब तक हुए आईपीएल मुकाबलों और उनमें बने रिकार्डों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी में से एक रिकार्ड है सबसे अधिक विकेट का। अब तक कई गेंदबाजों ने आईपीएल में काफी विकेट लिए हैं पर किसी एक सत्र में सबसे अधिक विकेट की बात की जाये तो वह रिकाड अबतक संयुक्त रुप से दो गेंदबाजों हर्षल पटेल और ड्वेन ब्रावो नाम है। आरसीबी के हर्षल ने साल 2021 में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 15 मुकाबलों में कुल 32 विकेट लिए थे। उनका ये रिकार्ड अब तक कायम है अब देखना है कि इस सत्र में कोई गेंदबाज इसे तोड़ पाता है या नहीं। हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 15 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे। इस सत्र उन्होंने एक मुकाबले में 5 विकेट लिए थे। वहीं ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 32 विकेट निकाले थे। ब्रावो ने 18 मुकाबलों में केवल 7.95 की इकोनॉमी से रन दिये किए थे। ब्रावो की बेहतरीन गेंदबाजी के बल पर चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2020 में कगिसो रबाडा ने 17 मुकाबलों में कुल 30 विकेट लिए थे ओर वह इस प्रकार दूसरे नंबर पर हैं।

जब मजाकिया अंदाज में बोले वैभव, दो-तीन हजार रन बनाना चाहता हूं

जयपुर । राजस्थान रॉयल्यस के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक कार्यक्रम में अपनी हाजिर जवाबी से सभी को हंसा दिया। वैभव यहां राजस्थान रॉयल्स के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान वहां अन्य क्रिकेटर और टीम के प्रशंसा भी उपस्थित थे। इसी दौरान जब एक मीडियाकर्मी ने वैभव से पूछा कि वह इस बार आईपीएल में कितने रन बनाना चाहते हैं तो वैभव ने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि ऐसा सवाल मत पूछो नहीं तो मैं कह दूंगा कि मुझे दो तीन हजार रन बनाने हैं। इसपर सभी हंस पड़े। इसके बाद वैभव ने कहा कि कहा कि वह व्यक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि टीम के लिए खेलने पर भरोसा करते हैं। उनका लक्ष्य केवल बेहतर प्रदर्शन करना और टीम को जीत दिलाना रहेगा। वैभव ने कहा कि ये पहले से नहीं बताया जा सकता है कि कितने रन बनाये जा सकते हैं। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देंगे और टीम के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य टीम को जीत दिलाना है न कि अपना रिकार्ड बनाना। इस बल्लेबाज ने पिछल बार आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। तब सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर सभी को हैरान किया था। इसके अलावा अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार टीम में बदलाव के बाद वैभव को शीर्ष क्रम में अधिक अवसर मिल सकते हैं और संजू सैमसन के नहीं होने के कारण उन्हें पारी की शुरुआत का भी अवसर मिल सकता है।

मियामी ओपन: पार्क्स को हराकर कोको गॉफ ने अगले दौर में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी एलिसिया पार्क्स को तीन सेटों में हराकर मियामी ओपन के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है।

शुरुआत में मुश्किलों के बावजूद गॉफ ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और कई ब्रेक प्वाइंट्स बचाए। मियामी में गॉफ चौथी बार राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में सफल रही हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी की कोशिश डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपनी पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की होगी। गॉफ ने शुरुआती ब्रेक के साथ 2-0 की बढ़त बनाई लेकिन पार्क्स ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद गॉफ ने जोरदार वापसी करते हुए मैच पर पूरी तरह से अपना दबदबा बना लिया और अगले 13 में से 12 गेम जीतकर 1 घंटे 50 मिनट में 2-6, 6-0, 6-1 से जीत हासिल की।

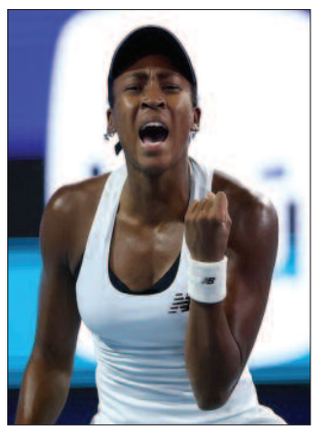

गॉफ ने अपनी जीत के बाद कहा, 'यह सच में बहुत मुश्किल था। वह बहुत अच्छा खेल रही थीं, और वह उन खिलाड़ियों में से हैं जिनका खेल कभी-कभी बहुत अच्छा होता है तो कभी-कभी बिल्कुल भी नहीं चलता। इसी वजह से आप एक ऐसी बारीक रेखा पर फंस जाते हैं जहां आपको आक्रामक भी रहना होता है लेकिन साथ ही उन्हें खेलने का मौका भी देना होता है। मुझे लगता है कि मैं इस मामले में थोड़ा ज्यादा ही दूसरी तरफ झुक गई थी। फिर दूसरे और तीसरे सेट में मैंने आक्रामक खेलने की कोशिश की। मैंने रिटर्न पर कुछ बदलाव किए, और मुझे लगता है कि उसी से फर्क पड़ा।'

2025 सीजन की शुरुआत के बाद से यह अमेरिकी खिलाड़ी की डब्ल्यूटीए स्तर पर पहला सेट हारने के बाद 11वीं जीत थी। इस आंकड़े के मामले में वह मैडिसन कीज और अनास्तासिया पोटापोवा के साथ बराबरी पर हैं। इसी समय-सीमा में, एक सेट से पिछड़ने के बाद सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वालीं एकमात्र खिलाड़ी जेसिका पेगुला (13) हैं। इसके अलावा, साल 2000 के बाद जन्मी खिलाड़ियों में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में गॉफ सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उनके नाम 104 जीत हैं। गॉफ से आगे इगा स्वियातेक हैं, जिन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 130 जीत दर्ज की हैं।

अब अगले राउंड में कोको गॉफ का मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा, जहां उनकी नजर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपने पहले क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर होगी। टूर पर अपना आखिरी सीजन खेल रहीं रोमानिया की अनुभवी खिलाड़ी सिर्स्टिया ने 21वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस को 6-3, 6-2 से हराया। गॉफ और सोराना का सामना अब तक एक बार हुआ है। 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में गॉफ सोराना पर भारी पड़ी थीं।

धोनी बोले आईपीएल में हैरान कर सकता है युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर

जयपुर (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर की जमकर प्रशंसा की है। प्रशांत को सीएसके ने आईपीएल नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी का एक वीडियो सीएसके ने जारी किया है।

इस वीडियो में धोनी युवा ऑलराउंडर प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहते हैं ये ऑलरांउडर लीग में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर सकता है। धोनी कभी कभार ही किसी खिलाड़ी की तारीफ करते हैं, इसलिए उनकी बात को काफी महत्व दिया जाता है। अभ्यास सत्र में जब प्रशांत वीर बल्लेबाजी कर रहे थे तब विकेट के पीछे से धोनी उनपर नजर रखे थे। वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने तुरंत तारीफ करते दिखे। इसके बाद वीर ने एक शानदार स्कूप शॉट खेला, जिस पर भी धोनी ने बाउंड्री होने का इशारा किया। इसके बाद प्रशांत ने सीधा स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिसे देखने के बाद धोनी ने उनकी जमकर सराहना की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। प्रशंसकों ने भी इस युवा खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के खेमें में भी इससे उत्साह छाया हुआ है।

प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के युवा ऑलराउंडर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज हैं। वह आमतौर पर निचले मुध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। घरेलू क्रिकेट में अ अच्छे प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उन्हें अवसर मिला है। मिनी ऑक्शन में वह 14.20 करोड़ में बिके थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में आ गये थे। प्राशांत ने अंडर-23 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 376 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 94 और स्ट्राइक रेट 128.76 रहा।

आईपीएल में अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगकारा का रिकार्ड बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरु होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछ पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगाकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगाकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई सुपरकिंग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकॉर्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं।

संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे। भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगाकारा ने 36 रन का बनाये। जेपी ड्यूमिनी ने 22 रन बनाए। वहीं विरोधी टीम की ओर से जहीर खान ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए जबकि जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में आरसीबी निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी।

23 वर्ष का सच्चा देश भक्त , इंकलाब जिंदाबाद, जय भगत

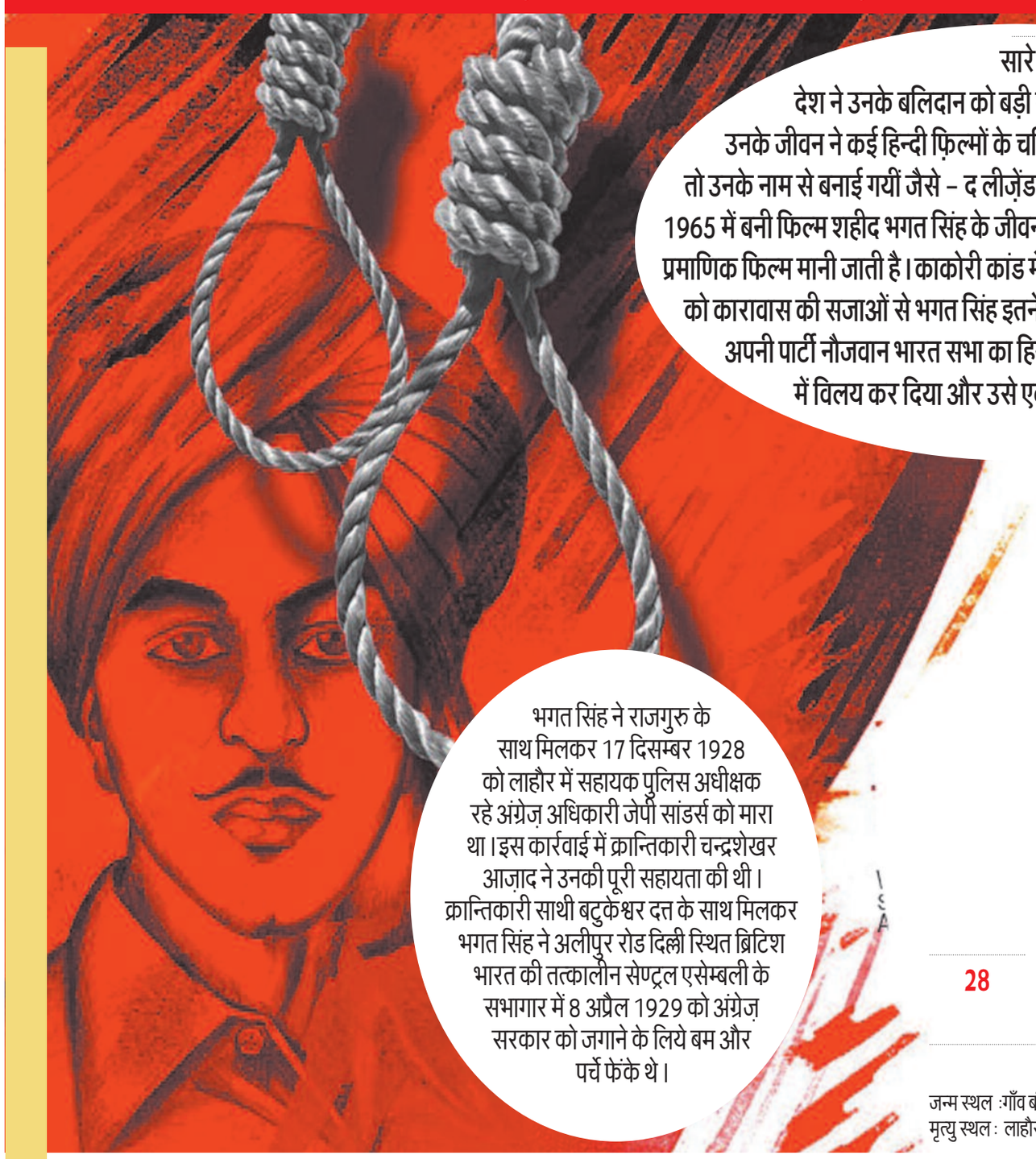

सारे देश ने उनके बलिदान को बड़ी गम्भीरता से याद किया। उनके जीवन ने कई हिन्दी फ़िल्मों के चरित्रों को प्रेरित किया। कुछ फ़िल्में तो उनके नाम से बनाई गयीं जैसे – द लीज़ेंड ऑफ़ भगत सिंह। मनोज कुमार की सन् 1965 में बनी फिल्म शहीद भगत सिंह के जीवन पर बनायीं गयी अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रमाणिक फिल्म मानी जाती है। काकोरी कांड में 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि उन्होंने 1928 में अपनी पार्टी नौजवान भारत सभा का हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन में विलय कर दिया और उसे एक नया नाम दिया

भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर 17 दिसम्बर 1928 को लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे अंग्रेज़ अधिकारी जेपी सांडर्स को मारा था। इस कार्रवाई में क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद ने उनकी पूरी सहायता की थी। क्रान्तिकारी साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर भगत सिंह ने अलीपुर रोड दिल्ली स्थित ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेण्ट्रल एसेम्बली के सभागार में 8 अप्रैल 1929 को अंग्रेज़ सरकार को जगाने के लिये बम और पर्चे फेंके थे।

काश..! आप आज भी होते

28 सितम्बर, 1907 से 23 मार्च 1931 (23 वर्ष की आयु में फाँसी)

जन्म स्थल :गाँव बंगा, जिला लायलपुर, पंजाब (अब पाकिस्तान में)
मृत्यु स्थल : लाहौर जेल, पंजाब (अब पाकिस्तान में)

भगत सिंह भारत के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। भगतसिंह ने देश की आज़ादी के लिए जिस साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुक़ाबला किया, वह आज के युवकों के लिए एक बहुत बड़ा आदर्श है। इन्होंने केन्द्रीय संसद (सेंट्रल असेम्बली) में बम फेंककर भी भागने से मना कर दिया। जिसके फलस्वरूप इन्हें 23 मार्च, 1931 को इनके दो अन्य साथियों, राजगुरु तथा सुखदेव के साथ फाँसी पर लटका दिया गया। सारे देश ने उनके बलिदान को बड़ी गम्भीरता से याद किया। उनके जीवन ने कई हिन्दी फ़िल्मों के चरित्रों को प्रेरित किया। कुछ फ़िल्में तो उनके नाम से बनाई गयीं जैसे - द लीज़ेंड ऑफ़ भगत सिंह। मनोज कुमार की सन् 1965 में बनी फिल्म शहीद भगत सिंह के जीवन पर बनायीं गयी अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रमाणिक फिल्म मानी जाती है। काकोरी कांड में 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि उन्होंने 1928 में अपनी पार्टी नौजवान भारत सभा का हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन में विलय कर दिया और उसे एक नया नाम दिया हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन। पहले लाहौर में साण्डर्स-वध और उसके बाद दिल्ली की केन्द्रीय असेम्बली में चन्द्रशेखर आजाद व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ बम-विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह को बुलन्दी प्रदान की। इन सभी बम धमाकों के लिए उन्होंने वीर सावरकर के क्रांतिदल अभिनव भारत की भी सहायता ली और इसी दल से बम बनाने के गुर सीखे। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती कौर था। यह एक सिख परिवार था जिसने आर्य समाज के विचार को अपना लिया था। उनके परिवार पर आर्य समाज व महर्षि दयानन्द की विचारधारा का गहरा प्रभाव था। अधिकांश क्रांतिकारियों को देश प्रेम की प्रेरणा महर्षि दयानन्द के साहित्य व आर्य समाज से मिली। अमृतसर में 13 अप्रैल, 1919 को हुए जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड ने भगत सिंह की सोच पर गहरा प्रभाव डाला था। लाहौर के नेशनल कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर भगत सिंह ने भारत की आज़ादी के लिये नौजवान भारत सभा की स्थापना की थी। काकोरी कांड में राम प्रसाद बिस्मिल सहित 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि पण्डित चन्द्रशेखर आजाद के साथ उनकी पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन से जुड़ गये और उसे एक नया नाम दिया- हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन। इस संगठन का उद्देश्य सेवा,त्याग और पीड़ा झेल सकने वाले नवयुवक तैयार करना था। भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर 17 दिसम्बर 1928 को लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे अंग्रेज़ अधिकारी जेपी सांडर्स को मारा था। इस कार्रवाई में क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद ने उनकी पूरी सहायता की थी। क्रान्तिकारी साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर भगत सिंह ने अलीपुर रोड दिल्ली स्थित ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेण्ट्रल एसेम्बली के सभागार में 8 अप्रैल 1929 को अंग्रेज़ सरकार को जगाने के लिये बम और पर्चे फेंके थे। बम फेंकने के बाद वहीं पर दोनों ने अपनी गिरफ्तारी भी दी।

क्रान्तिकारी गतिविधियाँ

उस समय भगत सिंह करीब 12 वर्ष के थे जब जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ था। इसकी सूचना मिलते ही भगत सिंह अपने स्कूल से 12 मील पैदल चलकर जलियाँवाला बाग पहुँच गये। इस उम्र में भगत सिंह अपने चाचाओं की क्रान्तिकारी किताबें पढ़ कर सोचते थे कि इनका रास्ता सही है कि नहीं ? गांधी जी का असहयोग आन्दोलन छिड़ने के बाद वे गांधी जी के अहिंसात्मक तरीकों और क्रान्तिकारियों के हिंसक आन्दोलन में से अपने लिये रास्ता चुनने लगे। गांधी जी के असहयोग आन्दोलन को रद्द कर देने के कारण देश के तमाम नवयुवकों की भाँति उनमें भी रोष हुआ और अंतत : उन्होंने देश की स्वतंता के लिये क्रान्ति का मार्ग अपनाना अनुचित नहीं समझा। उन्होंने जुलूसों में भाग लेना प्रारम्भ किया तथा कई क्रान्तिकारी दलों के सदस्य बने। कुछ समय बाद भगत सिंह करतार सिंह साराभा के संपर्क में आये जिन्होंने भगत सिंह को क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने की सलाह दी और साथ ही वीर सावरकर की किताब 1857 प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पढ़ने के लिए दी, भगत सिंह इस किताब से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने इस किताब के बाकी संस्करण भी छापने के लिए सहायता प्रदान की, जून 1924 में भगत सिंह वीर सावरकर से येरवडा जेल में मिले और क्रांति की पहली गुरु शिक्षा ग्रहण की, यही से भगत सिंह के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया।

लाला जी की मृत्यु का प्रतिशोध

1928 में साइमन कमीशन के बहिष्कार के लिये भयानक प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों में भाग लेने वालों पर अंग्रेजी शासन ने लाठी चार्ज भी किया। इसी लाठी चार्ज से आहत होकर लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गयी। अब इनसे रहा न गया। एक गुप्त योजना के तहत इन्होंने पुलिस सुपरिटेंण्डेण्ट स्कॉट को मारने की योजना सोची। सोची गयी योजना के अनुसार भगत सिंह और राजगुरु लाहौर कोतवाली के सामने व्यस्त मुद्रा में टहलने लगे। उधर जयगोपाल अपनी साइकल को लेकर ऐसे बैठ गये जैसे कि वो ख़राब हो गयी हो । गोपाल के इशारे पर दोनों सचेत हो गये। उधर चन्द्रशेखर आज़ाद पास के डीएवी स्कूल की चहारदीवारी के पास छिपकर घटना को अंजाम देने में रक्षक का काम कर रहे थे। 17 दिसंबर 1928 को करीब सवा चार बजे, स्काट की जगह, एएसपी सॉण्डर्स के आते ही राजगुरु ने एक गोली सीधी उसके सर में मारी जिसके तुरन्त बाद वह होश खो बैठा। इसके बाद भगत सिंह ने 3-4 गोली दाग कर उसके मरने का पूरा इन्तज़ाम कर दिया। ये दोनों जैसे ही भाग रहे थे कि एक सिपाही चनन सिंह ने इनका पीछा करना शुरू कर दिया। चन्द्रशेखर आज़ाद ने उसे सावधान किया - आगे बढ़े तो गोली मार दूँगा।

2 साल जेल में

जेल में भगत सिंह ने करीब 2 साल रहे। इस दौरान वे लेख लिखकर अपने क्रान्तिकारी विचार व्यक्त करते रहे। जेल में रहते हुए उनका अध्ययन बराबर जारी रहा। उनके उस दौरान लिखे गये लेख व सगे सम्बन्धियों को लिखे गये पत्र आज भी उनके विचारों के दर्पण हैं। अपने लेखों में उन्होंने कई तरह से पूँजीपतियों को अपना शत्रु बताया है। उन्होंने लिखा कि मजदूरों का शोषण करने वाला चाहे एक भारतीय ही क्यों न हो, वह उनका शत्रु है। उन्होंने जेल में अंग्रेज़ी में एक लेख भी लिखा जिसका शीर्षक था- मैं नास्तिक क्यों हूँ? जेल में भगत सिंह व उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हड़ताल की। उनके एक साथी यतीन्द्रनाथ दास ने तो भूख हड़ताल में अपने प्राण ही त्याग दिये थे।

फ़ाँसी

23 मार्च 1931 को शाम में करीब 7 बजकर 33 मिनट पर भगत सिंह तथा इनके दो साथियों सुखदेव व राजगुरु को फाँसी दे दी गई । फाँसी पर जाने से पहले वे लेनिन की नहीं बल्कि राम प्रसाद बिस्मिल की जीवनी पढ़ रहे थे जो सिन्ध (वर्तमान पाकिस्तान का एक सूबा) के एक प्रकाशक भजन लाल बुकसेलर ने आर्ट प्रेस, सिन्ध से छापी थी। कहा जाता है कि जेल के अधिकारियों ने जब उन्हें यह सूचना दी कि उनके फाँसी का वक्त आ गया है तो उन्होंने कहा था- ठहरिये! पहले एक क्रान्तिकारी दूसरे से मिल तो ले। फिर एक मिनट बाद किताब छत की ओर उछाल कर बोले - ठीक है अब चलो।

अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया

सुखदेव, राजगुरु तथा भगत सिंह के लटकाये जाने की ख़बर - लाहौर से प्रकाशित द ट्रिब्युन के मुख्य पृष्ठ पर। जेल के दिनों में उनके लिखे खतों व लेखों से उनके विचारों का अन्दाजा लगता है । उन्होंने भारतीय समाज में लिपि (पंजाबी की गुरुमुखी व शाहमुखी तथा हिन्दी और अरबी एवम् उर्दू के सन्दर्भ में विशेष रूप से), जाति और धर्म के कारण आयी दूरियों पर दु :ख व्यक्त किया था। उन्होंने समाज के कमजोर वर्ग पर किसी भारतीय के प्रहार को भी उसी सख्ती से सोचा जितना कि किसी अंग्रेज के द्वारा किये गये अत्याचार को । भगत सिंह को हिन्दी, उर्दू, पंजाबी तथा अंग्रेजी के अलावा बांग्ला भी आती थी जो उन्होंने बटुकेश्वर दत से सीखी थी । उनका विश्वास था कि उनकी शहादत से भारतीय जनता और उद्विग्न हो जायेगी और ऐसा उनके जिन्दा रहने से शायद ही हो पाये । इसी कारण उन्होंने मौत की सजा सुनाने के बाद भी माफ़ीनामा लिखने से साफ मना कर दिया था।

एसेम्बली में बम फेंकना

भगत सिंह यद्यपि रक्त पात के पक्षधर नहीं थे परन्तु वे कार्ल मार्क्स के सिद्धान्तों से पूरी तरह प्रभावित थे। यही नहीं, वे समाजवाद के पक्के पोषक भी थे। इसी कारण से उन्हें पूँजीपतियों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीति पसन्द नहीं आती थी। उस समय चूँकि अँग्रेज ही सर्वेसर्वा थे तथा बहुत कम भारतीय उद्योगपति उन्नति कर पाये थे, अत : अँग्रेजों के मजदूरों के प्रति अत्याचार से उनका विरोध स्वाभाविक था। मजदूर विरोधी ऐसी नीतियों को ब्रिटिश संसद में पारित न होने देना उनके दल का निर्णय था। सभी चाहते थे कि अँग्रेजों को पता चलना चाहिये कि हिन्दुस्तानी जाग चुके हैं और उनके हृदय में ऐसी नीतियों के प्रति आक्रोश है। ऐसा करने के लिये ही उन्होंने दिल्ली की केन्द्रीय एसेम्बली में बम फेंकने की योजना बनायी थी। भगत सिंह चाहते थे कि इसमें कोई खून खराबा न हो और अँग्रेजों तक उनकी आवाज़ भी पहुँचे। हालाँकि प्रारम्भ में उनके दल के सब लोग ऐसा नहीं सोचते थे पर अन्त में सर्वसम्मति से भगत सिंह तथा बटुकेश्वर दत्त का नाम चुना गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 8 अप्रैल, 1929 को केन्द्रीय असेम्बली में इन दोनों ने एक ऐसे स्थान पर बम फेंका जहाँ कोई मौजूद न था, अन्यथा उसे चोट लग सकती थी। पूरा हाल धुएँ से भर गया। भगत सिंह चाहते तो भाग भी सकते थे पर उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि उन्हें दण्ड स्वीकार है चाहें वह फाँसी ही क्यों न हो ; अत : उन्होंने भागने से मना कर दिया। उस समय वे दोनों खाकी कमीज़ तथा निकर पहने हुए थे। बम फटने के बाद उन्होंने इंकलाब! - जिन्दाबाद!! साम्राज्यवाद! - मुर्दाबाद! का नारा लगाया और अपने साथ लाये हुए पर्चे हवा में उछाल दिये। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस आ गयी और दोनों को गिरफ़्तार कर लिया गया।

शहीद भगत सिंह - महान क्रांतिकारी और राष्ट्र पुरुष

बड़ी खुशनसीब होगी वह कोख और गर्व से चौड़ा हो गया होगा उस बाप का सीना जिस दिन देश की आजदी के खातिर उसका लाल फांसी चढ़ गया था। हां, आज उसी माँ-बाप के लाल भगत सिंह का जन्?म दिवस है। आज देश भगत सिंह के जन्?म दिन की सौ ?वीं वर्षगांठ मना रहा है। भगत सिंह का जन्?म 28 सितंबर 1907 में एक देश भव ?त क्रान्तिकारी परिवार में हुआ था। सही कह गया कि शेर कर घर शेर ही जन्?म लेता है। इनका परिवार सिंख पंथ के होने बाद भी आर्यसमाजी था और स्?वामी दयानंद की शिक्षा इनके परिवाद में कूट-कूट कर भरी हुई थी। एक आर्य समाजी परिवेश में बड़े होने के कारण भगत सिंह पर भी इसका प्रभाव पड़ा और वे भी जातिभेद से उपर उठ गए । 9वीं तक की पढ़ाई के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी । और यह वही काला दिन था जब देश में जलियावाला हत?या कांड हुआ था। इस घटना सम?पूर्ण देश के साथ साथ इस 12 वर्षीय बालक के हृदय में अंग्रेजों के दिलों में नफरत कूट-कूट कर भर दी। जहॉ प्रारम?भ में भगत सिंह क्रांतिकारी प्रभाव को ठीक नहीं मानते थे वही इस घटना ने उन?हें देश की आजादी के सेनानियों में अग्रिम पक्ति में लाकर खड़ा कर रही है। यही नही लाला लाजपत राय पर पड़ी एक एक लाठी, उस समय के युवा मन पर पड़े हजार घावों से ज?यादा दर्द दे रहे थे। भगत सिंह, चन?द्रशेखर आजाद, बटुकेश ?वर दत?त और राजगुरु ने पुलिस सुपरिंटेंडेंट सैंडर्स की हत?या का ?यूह रचना की और भगत सिंह और राजगुरु के गो ?लियों के वार से वह सैंडर्स गॉड को प?यारा हो गया। निश्चित रूप से भगत सिंह और उनके साथियों में जोश और जवानी चरम सीमा पर थी। राष?ट्रीय विधान सभा में बम फेकने के बाद चाहते तो भाग सकते थे किन?तु भारत माता की जय बोलते हुऐ फाँसी की बेदी पर चढ़ना मंजूर किया और 23 मार्च 1931 हसते हुऐ निम?न गीत गाते हुये निकले और भारत माता की जय बोलते हुऐ फाँसी पर चढ़ गये।

रीमेक की बेड़ियों से आजाद होगी दृश्यम 3

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल ब्रांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा जयदीप अहलावत का किरदार

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद 'पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

आदित्य धर के साथ काम करना चाहती हैं भूमि पेडनेकर

धुरंधर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और सिर्फ फैंस ही नहीं, कई सेलेब्स ने भी इस स्पाई-एक्शन थ्रिलर की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का नाम भी जुड़ गया है।

हाल ही में द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एपिसोड में भूमि ने माना कि 'धुरंधर' देखने के बाद वह आदित्य धर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान सोनल कालरा ने उनसे पूछा, 'भूमि, आपने कई शानदार लोगों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा कौन-सा एक डायरेक्टर और एक एक्टर है जो अभी भी आपकी बकेट लिस्ट में है?' इस पर भूमि पेडनेकर ने जवाब दिया, 'एक डायरेक्टर चुनना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि कई लोग हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं जरूर संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। किसी भी तरह से उनके साथ काम करना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि वह एक जीनियस हैं। इसके अलावा राजकुमार हिरानी के साथ भी काम करना चाहती हूं। और अब मैं आदित्य धर के साथ भी काम करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया।'

भूमि ने आगे कहा, 'मैं आमतौर पर बहुत ज्यादा मस्कुलिन फिल्मों की ऑडियंस नहीं हूं। ऐसी फिल्मों में मुझे नींद आने लगती है और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाती। लेकिन 'धुरंधर' मुझे बहुत पसंद आई। अगर एक्टर्स की बात करूं तो मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करने का मौका जरूर चाहूंगी। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई भी परफॉर्मेंस ऐसा रहा हो जिससे मैं, एक फैन के तौर पर, निराश हुई हूं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में तो मैं उन्हें देखकर पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गई थी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही इमरान खान की कमबैक फिल्म में उनके साथ नजर आने वाली हैं।

एक्शन फिल्म 'किंग' के बाद बड़े बजट के क्लासिक ड्रामा फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि 'किंग' में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता हैं। शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। 'किंग' की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

कैसी होगी शाहरुख की अगली फिल्म

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से 'रोमांस के बादशाह' की तरह नजर आएंगे।

फराह के साथ काम कर सकते हैं शाहरुख

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'किंग'?

'किंग' 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

सरकार 4 मेरे सारे पाप धो देगी

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी। 'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने आज आगामी फिल्म 'मेस' की जानकारी देते हुए एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके साथ उनके चचेरे भाई ईशान रोशन भी नजर आ रहे हैं। जानिए किस पर आधारित है फिल्म 'मेस'।

फिल्म की कहानी कुछ चोरों की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के घर में चोरी करने जाते हैं, जो ओसीडी से ग्रसित होता है। जैसे-जैसे रात बीतती है, चोरों को पता चलता है कि घर की हालत वैसी नहीं है जैसी उन्होंने सोची थी। अब शायद उन्हें ही मुश्किल में पड़ना पड़ेगा और रात भर जीवित बचना होगा। यह एक मजेदार और हल्की-फुल्की कॉमेडी होगी। ऋतिक रोशन 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म में ऋतिक के अलावा और कौन-कौन से कलाकार होंगे इसकी जानकारी जल्द आएंगी। इसके अलावा इसकी रिलीज डेट की तारीख भी जल्द ही सामने आएगी।

भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते

अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।

इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

लिटिल इंडिया शहर पर ईरान ने मारी मिसाइल, यहां रहते हैं भारतीय मूल के यहूदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने शनिवार शाम एक भयावह मोड़ ले लिया जब ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिण इजराइल के शहर डिमोना पर दागी। यह शहर न केवल इजराइल के परमाणु रिएक्टर है, बल्कि अपनी विशाल भारतीय आबादी के कारण लिटिल इंडिया के नाम से भी मशहूर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मिसाइल एक कम्युनिटी बिल्डिंग पर गिरी, जिससे आसपास के पुराने मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। ज्यादातर लोग समय रहते शेल्टर में पहुंच गए थे, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिमोना की करीब 30 फीसदी आबादी भारतीय मूल के यहूदियों की है, जिनमें से ज्यादातर महाराष्ट्र के हैं। यहां क्रिकेट भी काफी लोकप्रिय है और भारतीय मिठाइयां व स्नैक्स स्थानीय बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। यहां की गलियों में मराठी और भारतीय स्वाद रचे-बसे हैं। हमले के बाद पूरे समुदाय में डर का माहौल है। इजराइली रक्षा बल ने स्वीकार किया है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करने में नाकाम रहा। ईरान ने इस हमले को अपने नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला बताया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने साफ किया है कि डिमोना स्थित परमाणु अनुसंधान केंद्र सुरक्षित है और वहां किसी नुकसान के संकेत नहीं मिले हैं।

महावीर जयंती पर गांधीनगर आएंगे पीएम मोदी, जैन संग्रहालय का कर सकते हैं उद्घाटन

अहमदाबाद (एजेंसी)। महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांधीनगर दौरे की संभावना जताई जा रही है। बताया जाता है कि पीएम मोदी 31 मार्च को जैन समुदाय को समर्पित एक विशेष संग्रहालय का उद्घाटन कर सकते हैं। यह संग्रहालय जैन आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक प्रवास और धार्मिक योगदान को समर्पित होगा। इसमें उनके पदविहार (आध्यात्मिक यात्राओं) से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, संस्मरण और दुर्लभ सामग्री प्रदर्शित की जाएगी, जो उनके उपदेशों और जीवन दर्शन की गहरी झलक प्रदान करेगी। बताया जाता है कि आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज ने अपने जीवनकाल में लगभग 2.5 लाख किलोमीटर की पदयात्रा की थी, जो जैन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। संग्रहालय में हस्तलिखित पांडुलिपियां, शिलालेख, मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां और धार्मिक विषयों पर आधारित चित्रों का समृद्ध संग्रह होगा। यह प्रदर्शनी जैन परंपराओं, तपस्या की विधियों और समुदाय की आध्यात्मिक विरासत को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए गांधीनगर में तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

लखनऊ के निशातगंज में बुजुर्ग महिला की हत्या, घर के अंदर मिला शव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के पॉश इलाके निशातगंज में शनिवार शाम एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया। सचिवालय से रिटायर्ड 65 वर्षीय निर्मला देवी का शव उनके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना डायल 112 के जरिए महानगर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि मृतका के दोनों हाथ बंधे हुए थे और गले पर गला घोंटने के गहरे निशान मौजूद थे। कमरे में किसी जबरन लूटपाट के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। विक्रांत वीर के अनुसार शुरुआती जांच में मामला रंजिश या किसी करीबी की साजिश की ओर इशारा करता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। निर्मला देवी अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं, जबकि घर की दूसरी मंजिल पर किराएदार रहते हैं। पुलिस ने शक के आधार पर एक किराएदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गुरुग्राम में प्रेम विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में चार महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली काजल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। साढ़राणा गांव की निवासी काजल के भाई गुरदीप ने आरोपित पति अरुण शर्मा के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस की जांच में पता चला कि काजल को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया गया था, जिससे उसकी मौत हुई। पुलिस ने आरोपित अरुण शर्मा जो गाजियाबाद के बहटा हाजीपुर गांव के निवासी हैं, को सेक्टर 89 से गिरफ्तार किया। सेक्टर 93 चौकी पुलिस ने उन्हें तीन दिन के गहन रिमांड पर लिया है, ताकि मामले की पूरी तह तक जांच की जा सके। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों एक ही नर्सिंग होम में काम करते थे। काजल नर्स और अरुण कर्मचारी थे। नवंबर 2025 में उनके बीच प्रेम संबंधों के बाद घरवालों की मर्जी से विवाह हुआ था। शादी के बाद अरुण ने नौकरी छोड़ दी और पैसों की मांग करने लगा। होली के बाद काजल अपने मायके साढ़राणा में रह रही थी। 18 मार्च की सुबह दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ। आरोपित ने पुलिस को बताया कि झगड़े के बाद उसने काजल को इंजेक्शन दिया। पुलिस ने घटनास्थल से दो वायल बरामद किए, एक डाइक्लोफेनेक और एक एनेस्थीसिया।अभियुक्त बार-बार अपने बयान बदल रहा है। पुलिस ने कहा कि तीन दिन के रिमांड में आरोपी से घटना के बारे में सटीक जानकारी ली जाएगी। मामला दहेज हत्या और घरेलू विवाद से जुड़ा है।

प्रतापगढ़ में मधुमक्खियों के हमले में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। फतनपुर नईकोट गांव में शनिवार को एक दर्दनाक घटना हुई। 50 वर्षीय मोहम्मद असलम पुत्र इकबाल मलिक शहद निकालने के लिए अपने घर के पास लगे पेड़ पर चढ़े। शहद निकालने की कोशिश के दौरान मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। असलम ने जान बचाने के लिए पेड़ से उतरकर मदद मांगी। स्थानीय लोग घायल अवस्था में उन्हें सुवंसा बाजार के निजी क्लीनिक ले गए, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार और इंजेक्शन दिया गया। गंभीर हालत देख उन्हें मुंगरा बादशाहपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार ने शव लेकर घर लौटकर अंतिम संस्कार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जिले में मधुमक्खियों के हमले पहले भी हो चुके हैं। सात महीने पहले कुंडा में घर के पास पानी भरते समय मधुमक्खियों ने वृद्ध महिला पर हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हुई थी।

यूडीएफ ने सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठजोड़ किया जनता उन्हें स्वीकार्य नहीं करेगी

केरल सीएम विजयन ने चुनाव से पहले अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल गिनाए

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सीएम पिनाराई विजयन ने अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल का बचाव करते हुए बुनियादी ढांचे के विस्तार, सामाजिक क्षेत्र के पुनर्जीवन और दीर्घकालिक योजना को वामपंथी मोर्चे की लगातार तीसरी जीत की आधारशिला बताया। 2016 से अपनी सरकार के सफर पर विचार करते हुए विजयन ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने ऐसे समय में सत्ता संभाली थी जब 'सामान्य असंतोष' का माहौल था, लेकिन सरकार ने तेजी से बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन बनाते हुए प्राथमिकता दी। उन्होंने कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ पर सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठजोड़ का आरोप लगाया और वामपंथ छोड़ने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जनता स्वीकार्य नहीं करेगी।

सीएम विजयन ने कहा कि कई मामलों में यूडीएफ सांप्रदायिक ताकतों के साथ खड़ा है। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में कुछ स्थानों पर बीजेपी के साथ हाथ मिलाया। स्थानीय निकाय प्रमुखों के चयन में भी उनका समझौता था। यूडीएफ कुछ वोट और सीटों के लिए सांप्रदायिक समूहों के साथ जुड़ रहे हैं। हम, एलडीएफ, ऐसे

कदमों के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी माकपा छोड़कर गए, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वे हमारे और जनता के लिए गद्दार हैं। उन्हें जनता की स्वीकार्यता नहीं मिलेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबरीमाला मुद्दे पर सीएम ने कहा कि सबरीमाला मुद्दे का स्थानीय निकाय चुनावों पर ज्यादा प्रभाव नहीं दिखा, यहां तक कि पांडलम में भी नहीं। पांडलम में परिणाम सकारात्मक रहे और लोगों की कुछ अपेक्षाएं थीं, जिन्हें सरकार ने पूरा करने की कोशिश की। हर स्थानीय निकाय की अपनी शासन संबंधी चुनौतियां होती हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में मतदान को प्रभावित करने वाले मुद्दे भी अलग होते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि हाल ही में पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन किए गए कुछ हिस्से राज्य के विकास की दिशा को स्पष्ट रूप से दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों, जो पहले अव्यवस्थित थे, उनमें अब व्यवस्थित रूप से सुधार हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में भी उन्होंने बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल, जो कभी बंद होने की कगार पर थे और जहां करीब पांच लाख छात्र पढ़ाई छोड़ चुके थे, उन्हें 5,000 करोड़ रुपए के निवेश 50,000 स्मार्ट क्लासरूम, उन्नत प्रयोगशालाओं और बेहतर शिक्षक प्रशिक्षण के जरिए पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को नीति आयोग से मिली मान्यता इसका प्रमाण है।

बुनियादी ढांचा वित्तपोषण पर विजयन ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड के पुनरुद्धार को अहम बताया। 2016 में 50,000 करोड़ रुपए की शुरुआती योजना से निवेश 2021 तक बढ़कर 62,000 करोड़ हो गया और अब यह 1.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है। प्रमुख परियोजनाओं में हिल हाईवे और कोस्टल हाईवे शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 10,000 करोड़ है। इसके अलावा पुल निर्माण कार्यक्रम भी 200 से अधिक संरचनाओं तक पहुंच चुका है। सीएम विजयन ने ÷विजन 2031÷ का जिक्र किया, जिसे विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया गया है और इसमें अगले पांच सालों के लिए क्षेत्रवार विकास लक्ष्य तय किए गए हैं। सीएम ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान केरल के प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली और राज्य ने प्रभावी तरीके से महामारी को नियंत्रित किया। उन्होंने यह भी कहा कि केरल में शिशु मृत्यु दर वैश्विक मानकों की तुलना में काफी कम है।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान को भी उन्होंने प्राथमिकता बताया। देश के शीर्ष 100 कॉलेजों में से 18 केरल में होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अब 13 उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और कौशल विकास कार्यक्रमों के विस्तार पर काम कर रही है, ताकि युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सके और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जा सके। राजनीतिक तौर पर सीएम विजयन ने बीजेपी की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि राज्य उसके लिए 'दरवाजा नहीं खोलेगा' और उन्होंने भविष्यवाणी की कि उसे एक भी सीट नहीं मिलेगी।

ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता : शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि राज्य में उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। सिन्हा ने दावा किया कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी को अपनी मां, बहन और बेटी मानती है और इस चुनाव में भी टीएमसी का दबदबा कायम रहेगा। राज्य में चुनावी शंखनाद हो चुका है और इस बार मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 चुनाव को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच जमीनी स्तर पर तनाव भी दिखने लगा है। उत्तर 24 परगना के बारानगर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प की खबरें आई हैं। स्थिति को संभालने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। भाजपा

उम्मीदवार साजल घोष ने सत्ताधारी दल पर हिंसा का आरोप लगाया है, हालांकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। इस चुनाव का सबसे दिलचस्प मुकाबला भवानीपुर सीट पर होने की उम्मीद है, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में उतर सकती हैं। संभावना जताई जा रही है कि उनके सामने भाजपा के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी चुनौती पेश करेंगे। ज्ञात हो कि 2021 के चुनाव में नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को एक कड़े मुकाबले में पराजित किया था, जिसके बाद ममता बनर्जी ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा में अपनी जगह बनाई थी। 2021 के चुनावी नतीजों की बात करें तो टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया था, जबकि भाजपा 77 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस और वाम दलों का खाता भी नहीं खुल सका था। इस बार भी मुख्य मुकाबला इन्हीं दो धुर विरोधियों के बीच माना जा रहा है। जहां टीएमसी अपने जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के दम पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में है, वहीं भाजपा सत्ता परिवर्तन के लिए पूरा जोर लगा रही है।

मथुरा हादसे के बाद अफवाह फैलाने और पथराव के मामले में 13 गिरफ्तार, बाहरी तत्वों पर कार्रवाई

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसीकलां थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक सड़क हादसे के बाद फैले तनाव और हंगामे के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि इस पूरी घटना में माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले और अफवाह फैलाने वाले तीन बाहरी मुख्य आरोपियों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह एक दुर्घटना थी, जिसे साजिश का रंग देने का प्रयास किया गया।

घटनाक्रम के अनुसार, कोसीकलां क्षेत्र में चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा ने नागालैंड नंबर के एक कैंटर को गोवंश की आशंका में रोका था। जब वह वाहन की जांच करने के लिए पीछे मुड़े, तभी घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में फरसा वाले बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। राजस्थान के अलवर निवासी ट्रक चालक भी इस घटना में घायल हुआ था, जिसकी इलाज के दौरान आगरा में मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रक में तार लदे थे और कैंटर में किराने का सामान भरा था। बाबा के सहयोगी की शिकायत पर पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया था।

हादसे के बाद कुछ अराजक तत्वों ने यह अफवाह फैला दी कि बाबा की हत्या की गई है। इस भ्रामक जानकारी के चलते छाता थाना क्षेत्र में भीड़ जमा हो गई और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। एसएसपी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने बाहरी लोगों को समझाने की कोशिश की थी कि मामला महज एक दुर्घटना है, लेकिन आरोपियों ने जानबूझकर सरकारी कार्य में बाधा डाली और माहौल बिगाड़ा। पुलिस ने अब तक इस हिंसा और जाम के मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर 13 लोगों को जेल भेज दिया है।

मार्च में मानसून जैसा मिजाज: दिल्ली-यूपी सहित 12 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च के महीने में जहां आमतौर पर भीषण गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इस बार मौसम का बिल्कुल उलट रूप देखने को मिल रहा है। उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 12 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में तो हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

राजधानी दिल्ली में रविवार को भी हल्की बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली ने पिछले छह वर्षों में मार्च का सबसे ठंडा दिन देखा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक

पहुंच गया। हालांकि अधिकतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण कनकनी बनी रही। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मध्यम बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रहे हिमपात ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज और गोरखपुर समेत कई जिलों में रविवार को भी बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 8 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और गया सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। राजस्थान में भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में धूल भरी आंधी और छिटपुट वर्षा के आसार बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बेमौसम बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की मुख्य वजह सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है। इसके चलते तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे बना हुआ है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओड़िशा जैसे राज्यों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का मानना है कि सोमवार तक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का यह सिलसिला जारी रह सकता है, जिससे मार्च के अंत तक मौसम सुहावना बना रहेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव: सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली बनाने पर जोर दिया है। यह प्रणाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों से सीधे जोड़ेगी और चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करेगी।

इस बार चुनाव में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। राज्य के सभी 80,719 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी और लगभग दो लाख सीसीटीवी कैमरों व वेबकैम के जरिए निगरानी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ड्रोन भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वाड और क्विक रिस्पॉन्स टीमों के वाहनों में 360 डिग्री कैमरों से लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जबकि केंद्रीय बलों के जवानों को बॉडी-वॉर्न कैमरे दिए जाएंगे। आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मतदाताओं को डराने-धमकाने या मतदान से रोकने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पद से हटाना या निलंबन भी शामिल है। इन सभी कदमों से साफ है कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

वजन बढ़ा तो नहीं उड़ा पाएंगे विमान, सख्त नियम लागू करने जा रहा एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया अपने पायलटों और केबिन क्रू के लिए एक सख्त फिटनेस नीति लागू करने जा रही है। 1 मई से प्रभावी होने वाले इस नए नियम के तहत सभी स्थायी और अनुबंध पर कार्यरत चालक दल के सदस्यों का उड़ान से पहले और बाद में फिटनेस टेस्ट किया जाएगा। इस नीति का मुख्य आधार बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को बनाया गया है। यदि किसी सदस्य का वजन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो उसे विमान उड़ाने या केबिन सेवा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एयरलाइन का स्पष्ट कहना है कि विमानन सेवाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए क्रू मेंबर्स का शारीरिक रूप से फिट होना सुरक्षा और परिचालन की दृष्टि से अनिवार्य है।

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, बीएमआई की आदर्श सीमा 18 से 24.9 के बीच रखी गई है। यदि किसी सदस्य का बीएमआई 24.9 से अधिक

पाया जाता है, तो उसे ओवरवेट की श्रेणी में रखा जाएगा और तत्काल प्रभाव से रोस्टर से हटा दिया जाएगा। ऐसे सदस्यों के वेतन में भी कटौती की जाएगी और वे वजन नियंत्रित करने के बाद ही ड्यूटी पर लौट सकेंगे। वहीं, 18 से कम बीएमआई वाले अंडरवेट सदस्यों को सात दिनों के मेडिकल इवैलुएशन के लिए भेजा जाएगा, जिसका खर्च उन्हें स्वयं वहन करना होगा। यदि वे फंक्शनल असेसमेंट क्लियर नहीं कर पाते हैं, तो उनके भुगतान में तब तक कटौती जारी रहेगी जब तक वे फिटनेस मानक हासिल नहीं कर लेते। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, यह नीति न केवल सुरक्षा मानकों को बढ़ाएगी बल्कि कर्मचारियों को लंबे समय तक स्वस्थ रहकर कार्य करने में भी मदद करेगी।

फिटनेस नियमों के साथ-साथ एयर इंडिया पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अपनी उड़ानों के परिचालन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। ईरान संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता के बावजूद, एयर इंडिया समूह ने रविवार को पश्चिम एशिया के लिए कुल 50 उड़ानों के परिचालन की योजना बनाई है। इसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ मिलकर सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान की राजधानी मस्कट के लिए 20 नियमित उड़ानें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात, रियाद, दम्मम और मस्कट से दिल्ली, मुंबई, कोच्चि और बेंगलुरु जैसे प्रमुख भारतीय शहरों के लिए 30 विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयरलाइन का उद्देश्य तनावपूर्ण स्थितियों के बीच भी यात्रियों को सुरक्षित और सुचारू हवाई सेवा उपलब्ध कराना है।

दुनिया जंग में उलझी... इधर भारत समंदर में खलबली मचाने को तैयार

3 अप्रैल को नौसेना में शामिल होगा देशी सुपरमैन 'तारागिरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान जंग के बीच भारत की समुद्री ताकत और बढ़ने वाली है। अब दुश्मन को भारत का देशी दम दिखाई देगा। दरअसल समंदर में खलबली मचाने को भारत का देशी सुपरमैन यानी शक्ति मान तैयार है। जी हां, स्वदेशी गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तारागिरी' समंदर में अपनी ताकत दिखाने आ रहा है। इसके नौसेना में शामिल होने की तारीख तय हो गई है। खुद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तारागिरी को नौसेना में शामिल करने वाले है। खास बात है कि 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है।

जी हां, प्रोजेक्ट 17ए के तहत नीलगिरी क्लास का एडवांस गाइडेड स्टेल्थ फ्रिगेट तारागिरी नौसेना में शामिल होने को तैयार है। नौसेना द्वारा जारी बयान के अनुसार, अगले महीने यानी 3 अप्रैल को विशाखापत्तनम में तारागिरी को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर रक्षामंत्री सिंह स्वयं इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट को नौसेना को समर्पित करने वाले है। वर्ष 2026 की शुरुआत में एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'अंजदीप' को भी नौसेना में शामिल किया गया था।

बात दें कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सात नीलगिरी क्लास के युद्धपोतों में से पहला एडवांस स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरी को जनवरी 2025 में नौसेना में शामिल किया था। इसके बाद इसी वर्ष हिमगिरी और उदयगिरी को भी शामिल किया। अब तारागिरी की बारी है। गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है, जो एंटी-सर्फेस और एंटी-शिप युद्ध में अत्यंत सक्षम है। एंटी-एयर वॉरफेयर के लिए इसमें लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'बराक-8', एयर डिफेंस गन और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए स्वदेशी टॉरपीडो 'वरुणास्त्र' और रॉकेट लांचर लगाए गए हैं।

तारागिरी लंबी दूरी से आने वाले हमलों का पता लगाने, ट्रैक करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए आधुनिक सोनार, कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम और मल्टी-फंक्शन डिजिटल रडार से लैस है। इस फ्रिगेट में हेलिकॉप्टर हैंगर भी है, जिसमें दो हेलिकॉप्टर आसानी से लैंड कर सकते हैं। प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सभी सात फ्रिगेट में करीब 75 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी कंपनियों से लिए गए हैं। इसका डिजाइन और स्टील भी स्वदेशी है। इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 6700 टन वजनी यह फ्रिगेट 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत सात नीलगिरी क्लास गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे हैं। इसमें चार फ्रिगेट मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और तीन गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा बनाए गए हैं। साल 2019 से 2022 के बीच इन सभी को लांच किया जा चुका है। तारागिरी नीलगिरी क्लास का चौथा फ्रिगेट है, जो अब नौसेना में शामिल होने जा

रहा है, जबकि बाकी तीन के समुद्री परीक्षण जारी हैं। इन सभी स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के शामिल होने के बाद समुद्र में भारत की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)